सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक- 73
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार, 18 जून 2024

आज का विचार

बिना स्वार्थ और बिना मुलाकात के...
प्रतिदिन याद करने वाले भी सौभाग्य से मिलते हैं...

मध्यप्रदेश में खुले सरकारी स्कूल, 20 जून तक चलेगा प्रवेशोत्सव

मोहन यादव ने बच्चों का तिलक लगाकर किया स्वागत

मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूल खुल गए हैं। आज से तीन दिन 20 जून तक पूरे एमपी में प्रवेशोत्सव मनाया जाएगा। भोपाल के सुभाष एक्सीलेंस स्कूल के प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हुए। सीएम ने नव प्रवेशित बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया। मंच पर पहुंचे बच्चों में से एक छात्रा ने सीएम को सैल्यूट किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों को गिफ्ट भी दिए। बता दें कि प्रदेश भर में प्रवेशोत्सव के कार्यक्रमों में सांसद, केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री, विधायक और अधिकारी स्कूलों में जाकर छात्र-छात्राओं का तिलक कर स्वागत करेंगे।

टीचर्स ने बालिकाओं को फूल दिए उज्जैन के पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में टीचर्स ने बालिकाओं को फूल दिए। प्रवेशोत्सव के पहले दिन छात्राओं का तिलक किया जा रहा है। स्कूल परिसर में रंगोली बनाई गई है। उज्जैन के पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 19 जून को भविष्य से भेंट कार्यक्रम

आज बच्चों का शुभागमन हुआ भोपाल में मोहन यादव ने कहा कि आज बच्चों का शुभागमन हुआ। कल वो क्या बनकर निकलेंगे, हम केवल कल्पना कर सकते हैं। मोदी जी रेलवे स्टेशन पर चाय बेचते थे। ट्रेन गुजरने के बाद स्कूल जाया करते थे। सबसे बड़ा उदाहरण भगवान कृष्ण का है। उस समय गुरुकुल होते थे, वो 11 साल की उम्र में स्कूल आए। उज्जैन में शिक्षा ग्रहण की। सीएम ने कहा कि उन्होंने उस समय जो पढ़ा, ऐसा कोई मेधावी विद्यार्थी नहीं हुआ जो इतने कम समय में इतना शिक्षित हुआ हो। उनकी सारी शिक्षा का निचोड़ महाभारत में पवित्र ग्रंथ गीता में मिलता है।

बच्चों को तिलक लगाकर और फूल देकर स्वागत रतलाम के डोंगरे नगर स्थित एकीकृत शाला शासकीय नूतन माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 में प्रवेश उत्सव मनाया गया। स्कूल के प्रधानाध्यापक ध्रुव पारखी सहित अन्य शिक्षकों ने बच्चों को तिलक लगाकर और गुलाब का फूल देकर स्वागत किया। भोपाल में सुबह से तीखी धूप है। गर्मी से बच्चे परेशान हो रहे हैं।

आइसक्रीम में कनखजूरा मिलने के बाद सक्रिय हुआ अमूल

नई दिल्ली। नोएडा में एक महिला ग्राहक के आइसक्रीम के डिब्बे से कनखजूरा निकलने के बाद सोमवार को अमूल ने उसे लौटा देने का आग्रह किया। ताकि, आइसक्रीम के जिस डिब्बे में कनखजूरा मिला था, उसकी जांच की जा सके। जानकारी के अनुसार नोएडा की एक महिला ने इंस्टेंट डिलेवरी एप के माध्यम से एक आइसक्रीम का एक टब मंगवाया था। महिला ने दावा किया था कि आइसक्रीम के टब के अंदर कनखजूरा था। इसके बाद फूड सेफ्टी अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी। बताया जाता है कि दीपा देवी नाम की एक महिला ने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट किया था, जिसमें अमूल के आइसक्रीम टब में कनखजूरा होने की बात कही थी। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन जो अमूल के डेयरी उत्पादों की मार्केटिंग करता है, उसने नोएडा में महिला ग्राहक को हुई असुविधा को लेकर अफसोस जताया है। वहीं नोएड का फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उधर, अपने एक स्टेटमेंट में अमूल ने कहा कि मामले की जानकारी मिलते ही तुरंत हमने सोशल मीडिया पर रेस्पोंड किया। अमूल का कहना है कि महिला ग्राहक को हुई परेशानी को लेकर हम खेद व्यक्त करते हैं।

सिंगल कॉलम

इगोर स्टिमैक भारतीय फुटबॉल टीम के हेड कोच पद से बर्खास्त

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के हेड कोच इगोर स्टिमैक को अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) ने मुख्य कोच के पद से बर्खास्त कर दिया है। हाल ही में हुए फीफा विश्व कप 2024 क्वालिफायर में टीम इंडिया का प्रदर्शन खराब रहा था। इसके बाद एआईएफएफ ने यह फैसला लिया है। भारतीय टीम ने दूसरे राउंड में कुवैत से ड्रॉ खेला था, जबकि कतर से अहम मुकाबले में हार गई थी। ऐसे में टीम इंडिया ने पहली बार फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने का मौका गंवा दिया था। स्टिमैक को बर्खास्त करने का फैसला एआईएफएफ अधिकारियों द्वारा की गई मीटिंग के बाद लिया गया। इस मीटिंग की अध्यक्षता एआईएफएफ के उपाध्यक्ष एनए हैरिस ने की। इस दौरान बैठक में बैठक में मेनला एथेनपा (सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, वित्त समिति), अनिलकुमार प्रभाकरन (सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, प्रतियोगिता समिति), आईएम विजयन (एआईएफएफ तकनीकी समिति के अध्यक्ष) क्लाइमेक्स लॉरेंस (एआईएफएफ तकनीकी समिति के सदस्य) और सत्यनारायण (कार्यवाहक महासचिव) भी शामिल हुए।

भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल होंगी आधुनिक तकनीक वाली छह पनडुब्बियां

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना स्पेन में प्रोजक्ट 75 भारत (पी75आई) के तहत अत्याधुनिक उपकरणों का परीक्षण करने जा रही है। स्पेन की एक जहाज निमार्ता (शिपयार्ड) कंपनी नवंतिया के अनुसार इस परीक्षण के बाद भारतीय नौसेना छह आधुनिक पनडुब्बियों को अपने बेड़े में शामिल करेगी। नवंतिया के चेयरमैन रिकार्डो डोमिंगुज गार्सिया बाकुएरो का कहना है कि स्पेन की सरकार और नौसेना पी75आई को लेकर काफी उत्साहित है और हर तरह से इस प्रोजक्ट में भारत की मदद करना चाहती है। इस योजना के तहत भारत सरकार के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। नवंतिया के प्रमुख ने कहा कि जून के आखिरी सप्ताह से भारतीय नौसेना काटार्जेना के पोत कारखाने में वायु स्वतंत्र प्रणोदन परीक्षण की शुरूआत करेगी। रिकार्डो डोमिंगुज ने आगे कहा कि इस परीक्षण में उनका साथ लार्सन एंड टर्बो (एल एंड टी) कंपनी देगी।

अब तक सामान्य से पांच गुना कम बारिश, किसानों की चिंता बढ़ी

मुंबई। कम बारिश भारत के किसानों के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। एक रिपोर्ट सामने आई है जिसमें पता चला है कि भारत में अब तक बारिश सामान्य से पांच गुना कम रही है, जो महत्वपूर्ण कृषि क्षेत्र के लिए चिंताजनक संकेत है। जानकारी के लिए बता दें कि कृषि क्षेत्र एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में से एक है। आमतौर पर ग्रीष्मकालीन वर्षा 1 जून के आसपास दक्षिण में शुरू होती है और 8 जुलाई तक पूरे देश में फैल जाती है। इस बीच किसानों को चावल, कपास, सोयाबीन और गन्ना जैसी फसलें उगाने का मौका मिलता है।

1 जून के बाद से कम हुई बारिश मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 1 जून के बाद से भारत में सामान्य से 20% कम वर्षा हुई है। कुछ दक्षिणी राज्यों को छोड़कर लगभग सभी क्षेत्रों में कम वर्षा हुई है और कुछ उत्तर-पश्चिमी राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। आंकड़ों के अनुसार, सोयाबीन, कपास, गन्ना और दालों की खेती वाले मध्य भारत में बारिश की कमी बढ़कर 29% हो गई है, जबकि धान की खेती वाले दक्षिणी क्षेत्र में मानसून के समय से पहले आने के कारण सामान्य से 17% अधिक बारिश हुई है।

पूर्वोत्तर में अब तक सामान्य से 20% कम बारिश पूर्वोत्तर में अब तक सामान्य से 20% कम बारिश हुई है और उत्तर-पश्चिम में लगभग 68% कम हुई है। बता दें कि लगभग 3.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा, मानसून भारत को खेतों में पानी देने और जलाशयों और जलभृतों को फिर से भरने के लिए आवश्यक लगभग 70% बारिश लाता है।

मानसून की गति रुकी आईएमडी के एक अधिकारी ने बताया कि मानसून की गति रुकी हुई है। यह कमजोर हो गया है। लेकिन जब यह पुनर्जीवित होकर सक्रिय हो जाता है, तो यह थोड़े समय में ही बारिश की कमी को मिटा सकता है।अधिकारी ने कहा कि उत्तरी राज्यों में कुछ और दिनों तक लू चलने की संभावना है, लेकिन सप्ताहांत से तापमान में गिरावट शुरू हो सकती है।

एयर इंडिया की फ्लाइट के खाने में मिला ब्लेड

यात्री का दावा- शिकायत पर एयरलाइन्स ने ऑफर की रिश्वत

नई दिल्ली। एयर इंडिया की एक इंटरनेशनल फ्लाइट में यात्री को परोसे गए खाने में ब्लेड मिलने का मामला सामने आया है। एक पैसेंजर ने दावा किया है कि बेंगलुरु से सैन फ्रांसिस्को जाते वक्त एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 175 में उसे परोसे गए खाने में ब्लेड मिला था।

पत्रकार मैथर्स पॉल ने सोशल मीडिया पर इस घटना को साझा करते हुए लिखा है कि एयर इंडिया की फ्लाइट में उसे दिया गया खाना गड़बड़ था। अपने पोस्ट में पॉल ने कहा कि वह भुने हुए शकरकंद और अंजीर चाट का आनंद ले रहे थे, तभी उन्हें अपने मुंह में धातु का एक टुकड़ा महसूस हुआ। गौर से देखने पर पता चला कि वह धातु का ब्लेड था। उन्होंने खाने की प्लेट में ब्लेड की तस्वीर साझा करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- एयर इंडिया का खाना चाकू की तरह काट सकता है। इसके भुने हुए शकरकंद और अंजीर चाट में एक धातु का टुकड़ा छिपा हुआ था जो ब्लेड जैसा दिख रहा था। कुछ सेकंड तक खाने को चबाने के बाद ही मुझे इसका अहसास हुआ। शुक्र है कि कोई नुकसान नहीं हुआ। बेशक, इसका दोष पूरी तरह से एयर इंडिया की खानपान सेवा पर है, लेकिन इस घटना से एयर इंडिया के प्रति मेरे मन में जो छवि है, उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा है लेकिन अगर यही खाना अगर किसी बच्चे को दिया गया होता तो क्या होता?

एयर इंडिया ने यात्री से किया संपर्क एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना के बाद एयर इंडिया ने उस यात्री से संपर्क किया और उसे एकतरफा बिजनेस क्लास टिकट देने की पेशकश की। वह टिकट एक साल तक किसी भी एयर इंडिया की उड़ान के लिए वैलिड था लेकिन पॉल ने कथित तौर पर एयर इंडिया की उस पेशकश को मानने से इनकार कर दिया और उसे एक तरह की रिश्वत करार दिया।

एयरलाइन ने माफी मांगी एयरलाइन ने अपने जवाब में दावा किया कि ब्लेड उसके खानपान विक्रेता द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सब्जी काटने वाली मशीन का हिस्सा था। एयर इंडिया के चीफ कस्टमर एक्सपीरियंस ऑफिसर राजेश डोगरा ने बताया कि एयर इंडिया इस बात की पुष्टि करता है कि हमारे एक विमान में सवार यात्री के भोजन में कोई बाहरी वस्तु पाई गई थी। इसकी जांच में पाया गया कि खानपान सहयोगियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली मशीन का एक टुकड़ा था जो सब्जी काटने के क्रम में टूटकर उसमें चला गया था। इसके साथ ही एयरलाइन ने इस घटना के लिए यात्री से माफी मांगी है।

भोपाल में 29 हजार पेड़ों की बच गई जान

मंत्री-विधायकों के बंगले बनाने की योजना पर रोक

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दी जानकारी
भोपाल। भोपाल में 29 हजार पेड़ काटकर मंत्री-विधायकों के बंगले बनाने की योजना रद्द कर दी गई है। नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। पर्यावरण संरक्षण और मौजूदा पेड़ों को बचाने के लिए यह फैसला लिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, विधायक भगवानदास सबनानी और स्थानीय लोगों ने भी पेड़ों को बचाने का समर्थन किया था। 13 जून को महिलाओं ने प्रदर्शन कर पेड़ों से चिपककर विरोध जताया था। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने सरकार से आदेश जारी करने और पेड़ों की कटाई नहीं होने वाली जगह चिन्हित करने की मांग की है। भोपाल में पेड़ों को बचाने के लिए उठे जन आंदोलन को बड़ी सफलता मिली है। सोमवार दोपहर, नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने

सोशल मीडिया पर घोषणा की कि 29 हजार पेड़ काटकर मंत्री-विधायकों के बंगले बनाने की योजना रद्द कर दी गई है। यह फैसला पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्र में मौजूदा पेड़ों को बचाने के मद्देनजर लिया गया है। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि ह्वनए भोपाल के पुनर्घनत्वीकरण योजना के पर्यावरण संरक्षण एवं क्षेत्र में मौजूदा वृक्षों को देखते हुए प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया गया है। साथ ही अन्य वैकल्पिक स्थानों के परीक्षण के निर्देश दिए गए हैं।

फैसले का लोगों ने किया स्वागत उधर सरकार के इस फैसले का जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने स्वागत किया है। बीजेपी के स्थानीय विधायक भगवान दास सबनानी ने इस फैसले के मंत्री का आभार जताया है। पर्यावरण कार्यकर्ता डॉ. सुभाष पांडे ने कहा कि पर्यावरण को बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार ने इस प्रस्ताव को वापस लेकर भोपाल शहर की हरियाली को बचाने का काम किया है, लेकिन बड़ा सवाल है कि आखिर अधिकारी बार-बार राजधानी की हरियाली को चोट पहुंचाने वाले प्रस्ताव लेकर क्यों आते हैं। इस प्रोजेक्ट के पहले विधानसभा के पीछे भी इसी तरह का प्रस्ताव लाया गया था।

मणिपुर पर मोहन भागवत के बयान के बाद अमित शाह ने की बैठक

नई दिल्ली। देश के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर हिंसा के मामले को लेकर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक्टिव हो गए हैं। उन्होंने सोमवार को मणिपुर में सुरक्षा हालात की समीक्षा करने के लिए एक हाई लेवल मीटिंग बुलाई। मणिपुर में एक साल से ज्यादा समय से जातीय हिंसा का माहौल है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकारों के साथ-साथ अन्य सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारी इस संबंध में एक उच्च-स्तरीय बैठक की। मणिपुर की राज्यपाल अनुसूइया उइके ने रविवार को शाह से मुलाकात की थी और समझा जाता है कि दोनों ने राज्य के मौजूदा हालात पर चर्चा की। बहुसंख्यक मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में राज्य के पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के बाद 3 मई, 2023 को मणिपुर में जातीय हिंसा भड़क उठी थी। तब से जारी हिंसा में कुकी और मेइती समुदायों तथा सुरक्षा बलों के 220 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। **बैठक में ये हुए शामिल** इस हाईलेवल मीटिंग में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, आईबी चीफ तपन देका, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडेय, लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, मणपुर के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह, मणिपुर के प्रमुख सचिव विनीत जोशी, मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह और असम राइफल्स के डीजी प्रदीप चंद्रन नायर शामिल हुए जो नॉर्थ ब्लॉक में हुई।

रायबरेली सीट अपने पास रखेंगे राहुल गांधी, वायनाड से प्रिंयका लड़ेंगी चुनाव

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद देशभर में सियासी दल आंतरिक बैठक कर आगे की रणनीति तैयार कर रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर बैठक की और राहुल गांधी की संसदीय सीट को लेकर फैसला किया। बैठक के बाद खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी वायनाड सीट छोड़ेंगे और रायबरेली अपने पास रखेंगे। इसके बाद प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड लोकसभा सीट से कांग्रेस की उम्मीदवार होंगी। इस मीटिंग में सोनिया गांधी के साथ राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल भी शामिल हुए। खड़गे ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि हम सबने बैठक में यह तय कर लिया कि राहुल गांधी रायबरेली सीट अपने पास रखेंगे, क्योंकि रायबरेली पहले से भी उनके काफी नजदीक रही है। उस परिवार के साथ जुड़ाव है और पीढ़ियों से वहां से लड़ते आए हैं। इसलिए वहां के लोगों और पार्टी के लोगों का भी कहना है कि वह रायबरेली की सीट अपने पास रखें। वायनाड के लोगों का प्यार भी राहुल को मिला है। वे लोग चाहते हैं कि राहुल वायनाड में ही रहें, लेकिन कानून इसकी इजाजत नहीं देता। इसलिए वायनाड सीट से प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव लड़ेंगी।

राहुल बोले- मुश्किल फैसला था

राहुल ने कहा कि उनके लिए यह एक मुश्किल फैसला था क्योंकि रायबरेली और वायनाड, दोनों से उनका भावनात्मक लगाव है। उन्होंने कहा, वायनाड से सांसद के तौर पर पिछले पांच साल बहुत शानदार और सुखद अनुभव वाले रहे हैं। वायनाड के लोगों ने मुझे बहुत कठिन समय में लड़ने के लिए समर्थन और ऊर्जा दी। मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा। उन्होंने कहा,मैं वायनाड का दौरा करना जारी रखूंगा और वायनाड से किये गए वादे पूरे किए जाएंगे। राहुल ने आगे कहा कि रायबरेली और वायनाड को दो-दो सांसद मिलेंगे। उन्होंने कहा, रायबरेली से मेरा पुराना नाता है और मुझे बहुत खुशी है कि मैं इसका प्रतिनिधित्व करूंगा। यह कोई आसान फैसला नहीं था, क्योंकि मेरा लगाव दोनों (वायनाड और रायबरेली) से है।

प्रियंका बोलीं- मैं बहुत खुश हूं

बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा कि मैं इस फैसले से बहुत खुश हूं। वायनाड का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात होगी। मैं एक अच्छा प्रतिनिधि बनने की कोशिश करुंगी। रायबरेली से मेरा पुराना रिश्ता है और मैंने रायबरेली और अमेठी के लिए काफी काम किया है। मैं भैया की मदद रायबरेली में भी करुंगी। हम दोनों वायनाड और रायबरेली में एक-दूसरे की मदद भी करेंगे। कांग्रेस आलाकमान की यह बैठक राहुल गांधी के रायबरेली या वायनाड सीट छोड़ने पर मची ऊहापोह को लेकर आयोजित की गई थी।

ईद का पर्व पूरे उत्साह से मनाया

शहर काजी ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इदौर में ईद का पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया। सोमवार को बड़ी संख्या में समाजजन सदर बाजार ईदगाह पहुंचे और नमाज अदा की। इसके बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारक बाद दी। ईद की नमाज के पहले शहर काजी डॉ.मो.इशरत अली ने आवाम को संबोधित करते हुए कहा कि - आज के दौर में पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंच रहा है। गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है। हम पर्यावरण सुधार के लिए आगे आए और पौधे लगाए। हमारी कोशिशों से ही पर्यावरण में सुधार होगा और जिंदगी आसान होगी। उन्होंने कहा कि आज समय आ गया है कि हमें एकजुट होकर पर्यावरण बचाने के लिए आगे आना चाहिए। पेड़ काटे जा रहे है और गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा

रहा है। पेड़ों को बचाने के लिए हमें आगे आना चाहिए। शहर काजी ने आवाम को हिदायत देते हुए कहा कि सफाई में इंदौर नंबर वन पर है। इसे कायम रखने के लिए हमें सफाई की तरह विशेष ध्यान रखना चाहिए। गंदगी को इधर-उधर नहीं फेंकना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने-अपने मोहल्लों में ध्यान रखें कि कहां नशा बिक रहा है, इसकी शिकायत पुलिस को करें ताकि आने वाली नस्ल नशे से बच सके। हमें अपने नौजवानों को नशे से दूर रखने के लिए बस्तियों में विशेष अभियान चलाना चाहिए।

महिला और बच्चियों के लिए फ्री सिलाई केंद्र

शहर काजी ने कहा कि महिला और बच्चियों को दीनी और दुनियावी तालीम के साथ-साथ हुनर भी सीखना चाहिए। इसी बात को ध्यान में रखते हुए ईदगाह कमेटी द्वारा ईदगाह कैंपस में महिलाओं और बच्चियों के लिए फ्री सिलाई,कढ़ाई, बुनाई केंद्र शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज में आज छोटी-छोटी बातों पर घर-परिवार बिखर रहे हैं। मामूली बातों को लेकर पुलिस और अदालत के चक्कर लगा रहे हैं। हमें चाहिए कि सभी तरह के मसले समाज में ही सुलझा लिए जाए।

शाही बग्घी में सवार होकर पहुंचे ईदगाह

मुस्लिम समाज आज ईदुल अजहा का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मना रहा है। सुबह से ही मुस्लिम बस्तियों में चहल-पहल है।

नमाज के लिए शहर काजी को उनके निवास से शाही बग्घी में बैठकर ईदगाह लाया गया और बाद में ससम्मान घर छोड़ा गया। यह जिम्मेदारी पिछले करीब पचास वर्षों से सलवाड़िया परिवार निभाते आ रहा है। सोमवार को भी सत्यनारायण सलवाड़िया शहर काजी के घर पहुंचे और बग्घी में बैठाकर ईदगाह ले गए।

जालना संघ ग्रुप पर्यावरण और हरियाली का संदेश देने मध्यप्रदेश की यात्रा पर बहुमान

सामूहिक देवदर्शन यात्रा से बढ़ता है परस्पर प्रेम और भाईचारा

सिटी चीफ इंदौर।

जालना महाराष्ट्र संघ जैन श्वेताम्बर सोश्यल ग्रुप जालना द्वारा तीन दिवसीय देवदर्शन पर्यटन यात्रा के साथ पर्यावरण सुधार और हरियाली के महत्व को प्रतिपादित करते हुए मांडव,भोपावर तीर्थ, मोहनखेड़ा तीर्थ,महाकाल उज्जैन,अवंती पार्श्वनाथ के दर्शन करते हुए यात्रा रात्रि 8 बजे इंदौर पहुंची, जहां अ.भा.जैन श्वेताम्बर सोश्यल ग्रुप्स फेडरेशन द्वारा उनके सम्मान में स्नेह भोज एवम संघ पूजा का कार्यक्रम भंडारी रिसोर्ट, कनाडिया रोड इंदौर पर बहुमान किया गया।

प्रारंभ में सामूहिक मंगलाचरण किया स्वागत उद्बोधन फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जिनेश्वर जैन ने दिया। जिनेश्वर जैन ने कहा कि सामूहिक यात्राओं से परस्पर प्रेम और भाईचारा बढ़ता है। वहीं

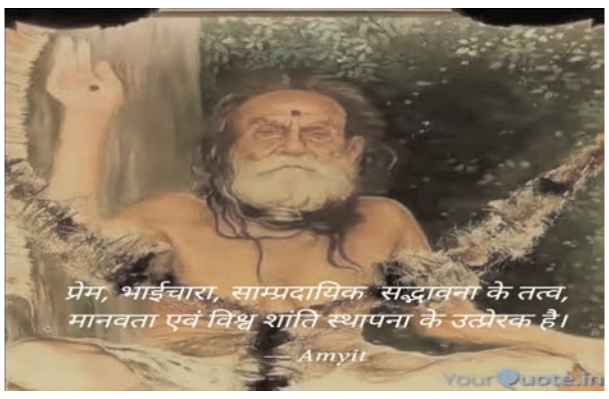

आपसी मेलजोल में प्रगाढ़ता आती है। हम तीर्थ स्थान की संस्कृति, पर्यावरण,ओर हरियाली के महत्व को प्रतिपादित करते हैं। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं चयन समिति के अध्यक्ष प्रकाश भटेवरा ने बिजनेस अवेयरनेस कार्यक्रमों को आयोजित करने से एक दूसरे के बिजनेस को जानने से व्यापार वृद्धि के कार्यक्रम भी करे।

संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र जैन ने सभी के प्रति मंगल भाव प्रकट किए। इस अवसर पर यात्रा के प्रमुख मार्गदर्शक श्री गौतम डा.सोनाली मूणत एवं जालना ग्रुप के अध्यक्ष श्री हर्षद ज्योति चोरड़िया का सम्मान फेडरेशन के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। संघ पूजन श्री वीरेंद्र जैन ने किया।

जालना ग्रुप द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जिनेश्वर शोभा जैन सहित श्री वीरेंद्र जैन,श्रीप्रकाश भटेवरा, वीरेंद्र नाहर, किरण सिरोलिया,अरिहंत जैन,अनिल जैन,आदि का सम्मान किया। यात्रा के प्रमुख एवं फेडरेशन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष गौतम मूणत ने कहा की आगामी समय में महाराष्ट्र रीजन में 20 नए ग्रुप जोड़ेंगे जिससे हम फेडरेशन को विस्तारित कर सकेगे।

ज्योति हर्षद चोरड़िया ने जालना ग्रुप की गतिविधियों पर प्रकाश डाला और फेडरेशन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए फेडरेशन के नवीन अध्यक्ष जिनेश्वर शोभा जैन को अपनी टीम के साथ जालना प्रवास का निमंत्रण दिया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव किरण सिरोलिया ने तथा आभार राष्ट्रीय कांफ्रेंस चेयरमैन अभय बाफना ने व्यक्त किया।

10 साल के बच्चे ने लगाई फांसी दोस्तों से हुआ था विवाद

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के द्वारकापुरी में अपनी नानी के यहां आए 10 साल के बच्चे ने फांसी लगा ली। उसकी मौत हो गई। छोटे भाई ने उसे देखा तो पिता को जानकारी दी। बताया जाता है कि अन्य बच्चो के साथ क्रिकेट खेलने को लेकर उसकी कहासुनी हुई थी। परिवार ने दोनों बच्चों को समझाया था।

द्वारकापुरी पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 10 साल के कृष्ण उर्फ बबली पुत्र विशाल खन्ना ने दिग्विजय नगर मल्टी में सुसाइड कर लिया। वह अपनी नानी के यहां था। बताया जाता है कि उसके छोटे भाई ने उसे देखा था। इसके बाद परिवार को सूचना दी। पिता विशाल ने बताया कि

उनकी पत्नी संतोषी बाइ छोटे बेटे को लेकर सामान दिलाने गई थी। बाद में छोटा बेटा उपर चला। तो टीवी तेज आवाज में चल रही थी। बाद में दरवाजा बजाया तो सुना नही। इसके बाद दरवाजा तोड़ा तो वह फंदे पर लटका मिला। बाद में उनके सेठ के मोबाइल पर कॉल आया तो जानकारी लगी। वह घर पहुंचे। पिता के मुताबिक वह छत भराई का काम करते है। उनके मुताबिक ग्रांउड में दस बारह बच्चे खेल रहे थे। झगड़े होने पर पत्नी संतोषी ने बेटे को उपर रूम में भेज दिया था।

प्रदेश के सबसे पहले वाटर पार्क की 28 वीं सालगिरह पर स्पेशल ऑफर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के साथ-साथ पूरे मध्यप्रदेश के पहले तथा बड़े वाटर पार्क मयंक ब्लू वाटर पार्क की स्थापना के 28 साल होने वाले हैं। आगामी 18 जून को इस भव्य वाटर पार्क की 28 वीं सालगिरह आयोजित की जा रही है, जिसके उपलक्ष्य में बच्चों तथा बड़ों सभी के लिए टिकट मैं स्पेशल डिस्काउंट दिया जाएगा। अनलिमिटेड फन के साथ- साथ फुल मनोरंजन प्रदान करने वाले इस शानदार वाटर पार्क मैं एंट्री टिकट बड़ों के लिए 300 रुपए तथा बच्चों के लिए 200 रुपए हैं।

यहां पर 100 से लेकर 5000

लोगों के लिए आयोजित किए जा सकने वाले विभिन्न कार्यक्रम जैसे किटी पार्टी, गेटटूगेदर , स्कूल पार्टी या वार्षिक सम्मेलन आदि के लिए वातानुकूलित रुम, लॉन तथा मेरीज हाल जैसी बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध हैं। बिचौलि मर्दाना स्थित मयंक ब्लू वाटर पार्क आकर आप अपना शानदार वीकेंड या किसी अन्य छुट्टी के प्रोग्राम का आनंद उठा सकते हैं।

दोस्त ले उड़ा सोने के आभूषण और बाइक

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के लसूड़िया में एक दोस्त को दूसरे दोस्त की मदद करना महंगा पड़ गया। युवक का दोस्त पूरे घर का सामन लेकर फरार हो गया। वह अपने साथ उसकी बाइक भी ले गया। युवक ने मामले में थाने में शिकायत दर्ज की है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। लसूड़िया पुलिस ने ऐश्वर्य गोस्वामी, निवासी राजगढ़ हाउस, शिव वाटिका कॉलोनी की शिकायत पर कपिल पुत्र चंपालाल चावड़ा, निवासी खरगोन के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक ऐश्वर्य ने बताया कि बड़वाह में उसका ननिहाल है। आरोपी उसके भाई प्रतीक गोस्वामी का दोस्त है। 10 से 12 दिन तक वह घर पर आकर रूका। उसने कहा था कि जॉब लग जाएगी तो अलग रूम लेकर रहेगा। इसके बाद उसकी कैफे पर जॉब लग गई। इसी बीच 15 की रात में करीब 3 बजे के लगभग आरोपी घर की अलमारी से सोने के मंगल सूत्र,अंगूठी, झुमकी, चांदी के जेवर, घर की गुल्लक और बाइक चुराकर ले गया। इसके बाद उसका मोबाइल भी बंद है। पुलिस ने इस मामले में कपिल की तलाश शुरू कर दी है।

घर से स्कूल के लिए निकली थी छात्रा, 14 वीं मंजिल से कूदकर दे दी जान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। स्कूल से घर के लिए निकली छात्रा ने 14 वीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। पुलिस से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह घटना शहर के निपानिया क्षेत्र में हुई।

टीआई तारेश सोनी ने बताया कि घटना मंगलवार सुबह की है। पुलिस के अनुसार छात्रा सुबह अपने घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी, लेकिन वह स्कूल बस में

नहीं बैठी। पता चला है कि छात्रा पास के भवन में चली गई। छात्रा लफ्टि के जरिए ऊपर गई और उसने नीचे छलांग लगा दी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार छात्रा का नाम अंजलि शर्मा पता चला है। भवन के सीसीटीवी फुटेज देखने पर छात्रा लिफ्ट के जरिए ऊपर जाते हुए नजर आई है। अंजलि शर्मा शहर के एडवांस्ड स्कूल में कक्षा सातवीं की छात्रा थी। उसके पिता किसी कंपनी में काम करते हैं। पुलिस के मुताबकि मामले की जांच की जा रही है।

नाबालिग ने जहर खाकर जान दी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर के भंवरकुआ में रहने वाली एक नाबालिग लड़की ने जहर खाकर जान दे दी। बताया जाता है कि उसे एक लड़का परेशान कर रहा था। उसके खिलाफ थाने में भी शिकायत भी की थी। बाद में उसने लड़की को फिर से परेशान करना शुरू कर दिया। इसके चलते उसने जान दे दी। भंवरकुआ पुलिस के मुताबिक चितावद कांकड में रहने वाली पायल पुत्री रमेश खेडे ने जहर खाकर जान दे दी। तबीयत बिगड़ने के चलते परिवार के लोग उसे ट्रामा सेंटर लेकर गए थे। यहां उसकी मौत हो गई। पिता ने रमेश ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी कक्षा 9वीं में पढ़ाई करती है। कुछ दिन पहले इलाके में रहने वाले विकास के खिलाफ थाने में शिकायत की थी। जिसके बाद वह जेल चला गया था। उसके परिवार के लोग धमकाते थे कि विकास के आने के बाद परिवार को नहीं छोड़ेंगे। जेल से बाहर आने के बाद विकास भी धमकी देता था। इसे लेकर लड़की काफी डिप्रेशन में चली गई थी। पुलिस के मुताबिक मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा है। जिसे जांच में लिया गया है।

लगातार दूसरे दिन हत्या,पुरानी रंजिश में युवक को मार डाला

इंदौर। इंदौर में हत्या का दौर थम नहीं रहा। शनिवार को अर्जुनपुरा मल्टी में एक युवक की हत्या हो गई थी। रविवार को रात को एरोड्रम क्षेत्र में आरोपियों ने पुरानी रंजिश में एक युवक को मौत के घाट उतार दिया। हत्या में छह से ज्यादा आरोपी शामिल है। जिन्हें युवक को चाकू मारे। हत्यारे पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

परिहार कॉलोनी निवासी रोहित पिता जितेंद्र कसेरा की हत्या नितिन उर्फ जान यादव ने अपने साथियों के साथ की। वह भोलेनाथ कॉलोनी में रहता है। मृतक रोहित भी अपराधिक प्रवृति का था और उसके खिलाफ आधा दर्जन अपराधिक प्रकरण इंदौर के थानों में दर्ज है।

नितिन का कुछ दिन पहले नितिन के साथी के साथ विवाद हुआ था। इस मामले में रोहित के खिलाफ एरोड्रम थाने में केस दर्ज हुआ था। रोहित इस मामले में जेल में भी बंद था। जमानत पर छूटने के बाद रोहित पर नितिन समझौते का दबाव बना रहा था, लेकिन रोहित इसके लिए तैयार नहीं था। रविवार रात रोहित को नितिन और उसके साथियों ने घेर दिया और हमला कर डाला। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

हनीट्रैप का आरोपी रह चुका है नितिन

नितिन भी आपराधिक प्रवृति का है। हनी ट्रैप मामले में भी उसके खिलाफ केस दर्ज हुआ है। एक बिल्डर को इस मामले में उसने फंसाया था। तब हनीट्रैप में शामिल युवती ने सुसाइड कर लिया था। युवती ने सुसाइड नोट में नितिन का भी जिक्र किया था। अब पुलिस हत्या के मामले में नितिन की तलाश कर रही है।

फरियादी से समझौता करने का बना रहा था दबाव

जेल से छूटने के बाद रोहित ने फरियादी से

समझौता का दबाव बनाया था। इस पर नितिन के दोस्त ने उसे बातचीत के लिए बुलाया। जैसे ही रोहित पहुंचा, वहां 6 से अधिक लोगों ने हमला कर दिया। घटनास्थल से रोहित को बेसुध हालत में अरविंदो हॉस्पिटल लाया गया, यहां मृत घोषित कर दिया गया।

चार आरोपियों के नाम सामने आए

पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही हैं। अब तक 4 के नाम सामने आए हैं, उसमें आरोपी नितिन यादव शामिल है। पुलिस ने कहा कि रोहित (मृतक) और नितिन की वर्चस्व को लेकर टसल पुरानी है। दोनों के खिलाफ केस दर्ज हैं। गैंगवार से जुड़ा मामला है।

करीब 6 केस दर्ज थे रोहित पर

पुलिस ने बताया रोहित भी क्रिमिनल पृष्ठभूमि का था। उसके खिलाफ भी 6 से ज्यादा केस दर्ज थे। उसकी हत्या में नितिन यादव उर्फ जॉन निवासी भोलेनाथ कॉलोनी का नाम आया है। कुछ दिनों पहले नितिन के दोस्त और रोहित में विवाद हुआ था। उसके बाद से दोनों ग्रुप में तनातनी थी। मामले में राजनीतिक संरक्षण की बात सामने आई है।

क्या खूबियां और क्या कमियां, इसका लगाएंगे पता

पहली बार चंबल नदी के पानी की होगी जांच

सिटी चीफ भोपाल। चंबल नदी मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि उत्तर भारत की सबसे स्वच्छ नदियों में शुमार है। लेकिन चंबल का पानी कितना स्वच्छ है, यह इंसानों के पीने लायक है भी या नहीं? चंबल के पानी में क्या खूबियां और क्या कमियां हैं? यह तकनीकी तौर पर किसी को नहीं पता। यह पता लगाने के लिए पहली बार चंबल के पानी की जांच होगी।

राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल सेंक्चुरी और भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) अगले महीने से यह जांच शुरू करने वाले हैं। इसके लिए अत्याधुनिक यंत्र व मशीनें लाई जा रही हैं। चंबल नदी के पानी की जांच के नाम पर राजघाट क्षेत्र में कभी-कभी पानी के सैंपल लेकर जांच होती रही है। लेकिन राष्ट्रीय घड़ियाल सेंक्चुरी की जद में आने वाले चंबल नदी के 495 किलोमीटर के हिस्से (श्योपुर से लेकर उप्र के पचनदा तक) के पानी की गुणवत्ता जांच पहली बार होने जा रही है। इसके लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान के रिसर्चर एवं विशेषज्ञ तीन दिन पहले चंबल घड़ियाल सेंक्चुरी के अफसरों से मिले हैं। पानी की जांच की प्लानिंग पर काम शुरू हो गया है और जून महीने के पहले सप्ताह से यह काम शुरू हो जाएगा। सेंक्चुरी प्रशासन के अनुसार, 12 से 15 दिन तक सैंपल लेने और साथ ही साथ पानी की जांच का काम चलेगा। जांच परिणाम आने के बाद चंबल के पानी में पाई जाने वाली कमियों को दूर कर नदी को स्वच्छ बनाने के काम शुरू होंगे। चंबल का पानी आगामी साल में मुरैना, ग्वालियर में पेयजल सप्लाई में मिलेगा। इसलिए भी यह जांच बेहद अहम है। चंबल नदी के किनारों पर पानी में कई प्रजाति के छोटे-छोटे वनस्पति पौधे 12 महीने हरे-भरे रहते हैं। इन वनस्पति पौधों से पानी की गुणवत्ता पर क्या असर हो रहा, इसका पता लगाने के लिए प्लेंकन जांच होगी। इन तीन चरणों की जांच में परखा जाएगा। चंबल का जल चंबल के पानी

में ऑक्सीजन की मात्रा तलहटी से लेकर ऊपर तल पर कितनी है, यह पता लगाने के लिए डिजाल्व ऑक्सीजन जांच होगी। स्वच्छ पेयजल में कैल्शियम, मैग्नीशियम, सल्फर जैसे मिनरल्स पाए जाते हैं। चंबल के पानी में कौन-कौन से मिनरल्स कितनी मात्रा में मौजूद हैं, इसकी भी जांच होगी। वैसे तो चंबल के पानी की जांच यदा-कदा होती रही है। साल 2012 और फिर साल 2013 में चंबल घड़ियाल सेंक्चुरी ने पानी की जांच करवाई थी, जो केवल राजघाट और चंबल नदी पर बने रेलवे पुल के आसपास के पानी की हुई थी। साल 2012 में चंबल के पानी में ऑक्सीजन की मात्रा सात फीसदी थी, जो साल 2013 की जांच में घटकर 3.4 फीसदी रह गई थी। इसके अलावा पानी में अपशिष्टों की जांच हुई थी, जिसमें साल 2012 में 249 मिलीग्राम प्रति लीटर बताई गई और 2013 में यह बढ़कर 374 मिलीग्राम तक पहुंच गई थी। पेयजल में अपशिष्ट की मात्रा शून्य होनी चाहिए, इस हिसाब से पूर्व में हुई जांच में चंबल के पानी को पीने योग्य नहीं माना गया। लेकिन यह जांच बेहद छोटे स्तर पर हुई थी, पहली बार चंबल घड़ियाल सेंक्चुरी क्षेत्र के पूरे पानी की जांच हो रही है।

स्कूल चलें हम अभियान : भोपाल में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सीएम होंगे शामिल

प्रदेश में आज से खुलेंगे स्कूल

सिटी चीफ भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को भोपाल में शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सुबह 10 बजे सकूल चलें हम अभियान-2024 का शुभारंभ करेंगे। यहां राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन होगा। यहां पर मुख्यमंत्री प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का शाला में स्वागत करेंगे। इस कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रतापसिंह भी उपस्थित रहेंगे।

18 जून को पूरे प्रदेश की शासकीय शालाओं में आयोजित किए जा रहे प्रवेशोत्सव के दौरान सांसद, विधायक एवं अन्य जन प्रतिनिधि भी किसी एक शाला में सहभागिता करेंगे। शाला स्तर पर आयोजित स्कूल चलें हम अभियान कार्यक्रम में शाला के पूर्व विद्यार्थियों एवं जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। इस दौरान ग्राम/बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन एवं उनके अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जाएगा। प्रवेशोत्सव के दिन शालाओं में विशेष भोजन का वितरण किया जाएगा।

निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण

स्कूल चलें हम अभियान के दूसरे दिन बुधवार को सभी विद्यालयों में शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन किया जाएगा। इसी दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री का अभिभावकों को संबोधित पत्र का वितरण किया जाएगा। इन बैठकों में अभिभावकों के साथ शालेय गतिविधियों पर चर्चा, जिसमें प्रमुखतः कक्षावार विषयखंड, शैक्षणिक कैलेण्डर, अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया, अभिभावक-शिक्षक बैठक, सह शैक्षणिक गतिविधियों, शाला में उपलब्ध सुविधाओं आदि की जानकारी प्रदान की जायेगी। निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया जाएगा।

20 जून को होगा भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन

स्कूल चले हम अभियान को जनआंदोलन में बदलने प्रदेश की सभी शासकीय शालाओं में जनसमुदाय की सहभागिता में भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध प्रभावशाली, प्रबुद्ध एवं सम्मानित व्यक्ति, स्थानीय विशिष्ट व्यक्ति आदि प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंटकर विद्यार्थियों से अपने अनुभवों को साझा करते हुए उन्हें बेहतर भविष्य गढ़ने के लिये प्रेरित करेंगे।

यह नई पहल की भी होगी शुरूआत

इसके अलावा समाज के अन्य इच्छुक व्यक्ति यथा जन प्रतिनिधि, संचार मित्र, सामाजिक संगठनों से जुडे व्यक्ति, सामाजिक कार्यकर्ता, उन्नत किसान, अभिनेता, कलाकार, खिलाड़ी, उद्योगपति, व्यवसायी अथवा अधिकारी भी अपनी पंसद के किसी एक स्कूल में जाकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन और सहयोग कर सकेंगे। उन्हें इस कार्यक्रम में सहभागिता के लिए एज्युकेशन पोर्टल डॉट एमपी डॉट जीओवी डॉट इन स्लैष एम पी एस सी एच स्लैष लिंक पर अपना पंजीयन कर अपनी सुविधा से किसी एक शाला का चयन करना होगा। कार्यक्रम के दौरान शालाओं में आमंत्रित व्यक्ति विद्यार्थियों को शाला उपयोग की वस्तुएं भेंट भी कर सकेंगे।

आज से शुरू होगी नामांकन प्रक्रिया, जुलाई से लगेंगी कक्षाएं

साढ़े चार हजार सरकारी स्कूलों में शुरू होगी प्री-नर्सरी कक्षाएं

सिटी चीफ भोपाल। मध्य प्रदेश में शिक्षा स्तर को बढ़ाने के लगातार प्रयास किया जा रहे हैं। पहले सीएम राइस स्कूल शुरू किए गए थे। इस वर्ष सरकार एक नई पहल शुरू करने जा रही है। प्रदेश के 4,473 सरकारी स्कूलों से प्री-नर्सरी क्लासेस की शुरूआत होने जा रही है। इन स्कूलों में 18 जून से नामांकन प्रक्रिया शुरू होने वाली है। हालांकि, जिन सरकारी स्कूलों के परिसर में आंगनबाड़ियों का संचालन किया जा रहा है, उन स्कूलों में प्री-नर्सरी क्लासेस नहीं शुरू होंगी। तीन वर्ष की आयु से बच्चों को स्कूल में प्रवेश दिया जाएगा। प्री-नर्सरी कक्षाओं में प्रवेश के लिए 3 से 5 वर्ष की आयु सीमा अनिवार्य है। ऐसे बच्चों के अभिभावक 18 जून के बाद स्कूलों में पहुंचकर बच्चे का नामांकन करवा सकते हैं। वहीं, प्री-नर्सरी कक्षाओं की पढ़ाई एक जुलाई से शुरू होगी। इन सरकारी स्कूलों में प्री-नर्सरी कक्षाओं को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र ने आदेश जारी कर दिया

है। राज्य शिक्षा केंद्र प्री-प्रायमरी एजुकेशन के तहत वर्ष 2019-20 से केजी-वन और केजी-टू कक्षाएं संचालित कर रहा रहा है। इस वर्ष से शासकीय स्कूलों में नर्सरी क्लासेस शुरू करने जा रहा है। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र के सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी किए है। इसमें कहा है कि वर्ष 2024-25 सत्र के लिए समग्र शिक्षा की वार्षिक कार्ययोजना में 4473 विद्यालयों में पूर्व प्राथमिक कक्षाएं शुरू करने की स्वीकृति शासन ने दी है।

गौरतलब है कि सन 2019-20 में पांच जिलों भोपाल, छिंदवाड़ा, सीहोर, सागर और शहडोल के 1415 विद्यालयों में केजी 1 और केजी 2 कक्षाएं संचालित की गई थीं। इन स्कूलों में भी अब इन कक्षाओं के साथ 3 से 4 साल की उम्र वर्ग के बच्चों के लिए नर्सरी की कक्षाएं संचालित की जाएगी। विभाग ने साफ कर दिया है कि जिन स्कूल परिसरों में आंगन बाड़ी केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, उनमें प्री-नर्सरी क्लासें संचालित नहीं की जाएगी।

स्वास्थ्य जांच के बाद मिलेगी यात्रा की अनुमति, पहले जत्थे में जाएंगे 300 श्रद्धालु

भोपाल से 26 जून को होगा रवाना अमरनाथ यात्रियों का पहला जत्था

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। राजधानी भोपाल से अमरनाथ यात्रा करने के लिए श्रद्धालुओं का पहला जत्था 26 जून को रवाना होगा। इसमें 300 यात्री शामिल होंगे। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के नेतृत्व में पहले जत्थे में शामिल सभी यात्रियों का भोपाल रेलवे स्टेशन पर फूल माला पहनाकर स्वागत किया जाएगा। यात्री 29 जून से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा करेंगे। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले सभी यात्रियों का एक-एक करके डाक्टरों की टीम स्वास्थ्य परीक्षण करेगी। जांच में सही मिले लोगों को यात्रा पर जाने की अनुमति दी जाएगी।

ओम शिवशक्ति सेवा मंडल की ओर से अमरनाथ यात्रा पर भेजने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंडल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि यात्रा संबंधी मार्ग, कठिनाइयां सहित अन्य बातें बताई गई हैं, ताकि यात्रा करने वाले लोगों को परेशानी न हो और बफार्नी बाबा के दर्शन आसानी से हो सकें। मंडल के पदाधिकारी भी जत्थे के साथ जाएंगे, जिन्हें अमरनाथ यात्रा करने का वर्षों से अनुभव है। इस बार अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीयन कराने वालों की संख्या में 15 हजार से अधिक पहुंच गई है। आनलाइन व आफलाइन पंजीयन 15 हजार हो चुके हैं। ये यात्री अलग-अलग तारीख पर यात्रा करेंगे। मंडल की ओर से 29 जून से 19 अगस्त तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा के लिए 15 जत्थे रवाना किए जाएंगे। इनमें 300, 200, 100 यात्रियों के जत्थे शामिल होंगे। इसके अलावा अन्य यात्री भी अपने हिसाब से अमरनाथ यात्रा पर जाएंगे। ओम शिव सेवा मंडल की ओर से जम्मू में संत रविदास मंदिर प्रांगण में यात्रियों के लिए ठहरने व भोजन की व्यवस्था हर वर्ष की जाती थी। इस बार जम्मू में लगने वाले भंडारा बालटाल व चंदनवाड़ी में शिफ्ट किया गया है। वहीं यात्रियों को रात्रि में विश्राम जम्मू स्टेशन के पास वैष्णवी धाम व कालिका धाम में कराया जाएगा। इस दौरान मंडल के पदाधिकारी यात्रियों की व्यवस्था में मौजूद रहेंगे।

सवा किलो वजनी इस आम की तस्वीरें खींचकर ले जा रहे लोग

आम महोत्सव में आया 2200 रुपए का 'नूरजहां'

सिटी चीफ भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में इस बार नूरजहां आम की खूब चर्चा हो रही है। इसका एक फल नाबार्ड की तरफ से आयोजित भोपाल आम महोत्सव में लाया गया है। हालांकि यह ब्रिकी के लिए नहीं है। दरअसल आलीराजपुर के कट्ठीवाड़ा में नूरजहां आम के सिर्फ तीन ही पेड़ बचे हैं। इन पर इस बार 30 आम आए थे, लेकिन बारिश और हवा-धुंध की वजह से सिर्फ 15 ही फल बचे। इसमें से एक फल भोपाल आम महोत्सव में लाया गया है। बाकी के फल अभी कच्चे हैं और पेड़ पर लगे हैं। भोपाल आम महोत्सव में लाया गया आम सवा किलो का है। इस एक आम की कीमत 2200 रुपए है। हालांकि मेले में आने वाले लोग इसे खरीद नहीं सकते। इसकी तस्वीर ही ले सकते हैं।

अलीराजपुर के कट्ठीवाड़ा में इस आम के पेड़ सालों पुराने हैं। इसके अब तीन ही पेड़ बचे हैं। शौकीन लोग इस आम की बुकिंग पहले ही कर लेते हैं। इसकी बढ़ती मांग और कम उत्पादन की वजह से इसकी कीमत ज्यादा है। हालांकि आम के साइज और वजन के आधार पर इसकी कीमत तय होती है। नूरजहां आम का वजन उसके साइज के अनुसार अलग-अलग होता है। यह सवा किलो से साढ़े चार किलो तक अधिकतम होता है। अभी आम महोत्सव में लाया गया आम सवा किलो वजन का है। इस आम में जनवरी में बौर आने लगते हैं और जून में आम पक जाते हैं। पिछले साल साढ़े तीन किलो का आम लगा था।

आलीराजपुर का कृषि विज्ञान केंद्र नूरजहां आम के पेड़ों की संख्या बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। अभी कुछ छोटे पेड़ लगाए गए हैं। नूरजहां आम के पेड़ की प्रजाति को बचाने के लिए हर कोशिश की जा रही है। इसके पांच साल में दो से ज्यादा पेड़ बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

सुंदरजा आम की सबसे ज्यादा डिमांड

आम महोत्सव में अलग-अलग प्रजाति के आम ब्रिकी के लिए आए हैं। इसमें छिंदवाड़ा का राजापुरी (150 रुपये प्रतिकिलो), बालाघाट और सतना का आम्रपाली (150 रुपये प्रतिकिलो), अलीराजपुर-झाबुआ का केसर (100 से 150 रुपये प्रतिकिलो), रीवा का सुंदरजा आम है। सुंदरजा आम को जीआई टैग मिला है। इस आम की डिमांड सबसे ज्यादा है। यह 300 से 350 रुपए किलो बिक रहा है।

सोम ग्रुप की शराब फैक्ट्री के संचालक को नोटिस

सिटी चीफ भोपाल। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले की सोम ग्रुप की फैक्ट्री में नाबालिग बच्चों से मजदूरी कराने के खुलासे के बाद शिकंजा कसता जा रहा है। फैक्ट्री परिसर में आबकारी अधिकारी का कार्यालय होने के बावजूद फैक्ट्री में लगातार शर्तों का उल्लंघन किया जा रहा था। इस मामले में अधिकारियों पर गाज गिरने के बाद अब आबकारी आयुक्त ने फैक्ट्री संचालक को नोटिस जारी किया है। उन्होंने फैक्ट्री में विभाग की तरफ से तय शर्तों का उल्लंघन मानते हुए लाइसेंस रद्द क्यों ना किया जाए को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया है और तीन दिन में जवाब मांगा है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर विभाग की तरफ से फैक्ट्री सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

आबकारी आयुक्त की तरफ से जारी नोटिस के अनुसार शराब फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन कराएं जाना जरूरी है। नाबालिग बच्चों से फैक्ट्री में कार्य कराए जाने से स्पष्ट है कि इस शर्त का उल्लंघन किया गया है। दूसरा शराब फैक्ट्री में 21 वर्ष से कम आयु/ पागल को परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। रायसेन जिले की कलेक्टर की रिपोर्ट के अनुसार फैक्ट्री में 59 नाबालिग बालक/बालिकाएं कार्य करते पाएं गए। यह भी लाइसेंस की शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन है। नोटिस में साफ लिखा है कि शर्तों में शासन के आदेशा/निदेशों के साथ ही लाइसेंस की शर्तों का पालन करना अनिवार्य था। जिसका सीधे उल्लंघन किया।

चार आबकारी विभाग के अधिकारी हो चुके हैं निलंबित

रायसेन जिले की फैक्ट्री में बालश्रम मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संज्ञान के बाद बड़ी कार्रवाई की गई। इसमें रायसेन जिले की सेहतगंज मैसर्स सोम डिस्टलरीज प्राइवेट लिमिटेड के प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी कन्हैयालाल अतुलकर, आबकारी विभाग के तीन उप निरीक्षक प्रीति शैलेंद्र उइके, शैफाली वर्मा और मुकेश कुमार को निलंबित किया गया है।

59 नाबालिग बच्चे मिले काम करते हुए

सोम ग्रुप की शराब फैक्ट्री में बचपन बचाओ आंदोलन एनजीओ की सूचना पर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने निरीक्षण किया। इसमें नाबालिग 39 लड़के और 20 लड़कियां काम करते मिले थे। आयोग ने बाल मजदूरों को मुक्त कराया। खतरनाक रसायनों और अल्कोहल के संपर्क में आने से इन बच्चों के हाथ और शरीर के कई हिस्से जल गए थे। यह भी सामने आया है कि इन बच्चों को स्कूल बस से सोम डिस्टिलरीज एंड ब्रेवरीज फैक्ट्री पहुंचाया जाता था। इनको मामूली मजदूरी देकर 12 से 14 घंटे काम काम कराया जाता था। बता दें सोम डिस्टिलरीज एंड ब्रेवरीज फैक्ट्री में शराब, बीयर और अन्य अल्कोहल उत्पाद बनाए जाते है।

सम्पादकीय

आखिर एक ही पटरी पर क्यों आ गई दो ट्रेनें?

हादसे का शिकार हुई कंचनजंगा एक्सप्रेस ने कई सवालों को जन्म दे दिया है. सबसे बड़ा सवाल यह है कि हादसा तकनीकी खराबी के कारण हुआ या फिर मालगाड़ी के लोकोपायलट ने नियमों की अनदेखी की?

पश्चिम बंगाल और बिहार की सीमा के पास सोमवार को ट्रेन हादसा हो गया। हादसे का शिकार हुई कंचनजंगा एक्सप्रेस ने कई सवालों को जन्म दे दिया है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि हादसा तकनीकी खराबी के कारण हुआ या फिर मालगाड़ी के लोकोपायलट ने नियमों की अनदेखी की? इन सवालों का उठना इसलिए भी लाजमी है क्योंकि रेलवे के सूत्र ने सुबह 5.50 बजे से सिग्नल खराब होने की जानकारी दी। अगर यह जानकारी सही है तो हादसे के पीछे बड़ी लापरवाही सामने आ सकती है। रेलवे सिग्नल से जुड़े कई ऐसे नियम हैं जिनकी अनदेखी हादसे को न्योता देती है। सियालदाह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कंचनजंगा एक्सप्रेस के तीन डिब्बे बेपटरी हो गए। यह हादसा रंगा पानी और निज बाड़ी के पास हुए हादसे में तीन बोगियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। ट्रेन दुर्घटना में 15 लोगों की मौत की खबर है। जबकि 30 लोग घायल हुए हैं। इन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हादसे के बाद रेलवे की टीम जांच में जुट गई है। इस रेल हादसे के बाद रेलवे पर कई सवाल उठ रहे हैं कि आखिर किसकी गलती की वजह से ऐसा हादसा हुआ है। किन कारणों से दो ट्रेनें एक ही ट्रैक पर आ जाती हैं। दरअसल, रेलवे में हर ट्रेन और उसके रूट के हिसाब इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम सेट होता है, जिसकी वजह से हर ट्रेन अलग ट्रैक पर होती है और दुर्घटना की कोई संभावना नहीं होती है। लेकिन एक ट्रैक पर दो ट्रेनों की आपस में भिड़ने की वजह सिग्नल फाल्ट या इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग चेंज में कोई गलती होना होती है। रेलवे ट्रेक में इलेक्ट्रिकल सर्किट इंस्टॉल लगाए जाते हैं। जैसे ही ट्रेन ट्रैक सेक्शन पर आती है, तो इस सर्किट के जरिये ट्रेन के आने का पता चलता है। ट्रेन के आने का पता चलने के साथ ही ट्रैक सर्किट इसकी जानकारी आगे फॉरवर्ड करता है और इसके आधार पर ईआईसी कंट्रोल सिग्नल आदि को कंट्रोल करता है। इस जानकारी के आधार पर ये सूचना दी जाती है कि अब ट्रेन को किस तरफ जाना है। कंट्रोल रुम के जरिये ही ट्रेन के रूट को तय कर दिया जाता है। दो पटरियों के बीच एक स्विच होता है, जिसकी मदद से दोनों पटरियां एक दूसरे जुड़ी हुई होती हैं। ऐसे में जब ट्रेन के ट्रैक को बदलना होता है, तो कंट्रोल रूम में बैठे कर्मचारी कमांड मिलने के बाद पटरियों पर लगे दोनों स्विच ट्रेन की मूवमेंट को राइट और लेफ्ट की तरफ मोड़ते हैं और पटरियां चेंज हो जाती हैं। लेकिन, अभी भी कई बार टेक्निकल कारणों से या फिर मानवीय गलती की वजह से ट्रैक चेंज नहीं हो पाता है और ट्रेन तय रूट से अलग ट्रैक पर चली जाती है। इसका नतीजा यह होता है कि वो ट्रेन उस ट्रैक पर आ रही अन्य ट्रेन से टकरा जाती है।

बताया जा रहा है कि रानीपात्रा रेलवे स्टेशन और पश्चिम बंगाल के छत्तर हाट जंक्शन के बीच सुबह साढ़े पांच बजे से ऑटोमेटिक सिग्नलिंग सिस्टम खराब पड़ा था। ट्रेन नंबर 13174 (सियालदह कंचनजंगा एक्सप्रेस) रंगापानी स्टेशन से सुबह आठ बजकर 27 मिनट पर रवाना हुई थी और सुबह पांच बजकर 50 मिनट पर ऑटोमेटिक सिग्नलिंग सिस्टम खराब होने के चलते रानीपतरा रेलवे स्टेशन तथा छत्तर हाट के बीच रुकी रही। जब ऑटोमेटिक सिग्नलिंग सिस्टम फेल हो जाता है, तो स्टेशन मास्टर टीए 912 नामक एक लिखित प्राधिकरण जारी करता है, जो चालक को खराबी के कारण सेक्शन में सभी लाल सिग्नलों को पार करने का अधिकार देता है। जांच से ही पता चल सकेगा कि क्या मालगाड़ी को खराब सिग्नलों को तेज गति से पार करने के लिए टीए 912 दिया गया था या फिर यह लोको पायलट था, जिसने खराब सिग्नल के नियम का उल्लंघन किया था। अगर बाद वाला मामला है तो चालक को हर खराब सिग्नल पर एक मिनट के लिए ट्रेन रोकनी थी और 10 किमी प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ना था। लोको पायलट के संगठन ने रेलवे के इस बयान पर सवाल उठाया है कि ड्राइवर ने लाल सिग्नल का उल्लंघन किया। भारतीय रेलवे लोको रनिंगमैन संगठन (आईआरएलआरओ) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय पांधी ने कहा है कि लोको पायलट को हादसे का जिम्मेदार मानना बेहद आपत्तिजनक है। लोको पायलट की मृत्यु हो जाने और सीआरएस जांच लंबित होने के बाद लोको पायलट को ही जिम्मेदार घोषित करना अत्यंत आपत्तिजनक है। वहीं रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा के अनुसार, टक्कर इसलिए हुई क्योंकि एक मालगाड़ी ने सिग्नल की अनदेखी की और सियालदह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस को टक्कर मार दी।

सीईओ स्तर के अधिकारी साइबर क्रिमिनल के निशाने पर

हाल ही में पुणे स्थित एक रियल एस्टेट फर्म को 4 करोड़ रुपए का चूना लगा, जब साइबर अपराधियों ने कंपनी के चेयरमैन के रूप में एक अकाउंट अधिकारी को धोखा देकर कंपनी के फंड को फर्जी बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिया। एक बहुराष्ट्रीय कंपनी की लोकल यूनिट में में फाइनेंस कंट्रोलर करोड़ों रुपये के इसी तरह के घोटाले का शिकार हो गया, जब चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर छुट्टी पर थे। फिशिंग हमले अधिक एडवांस हो गए हैं। साइबर अपराधी ज्यादा से ज्यादा पैसे कमाने के लिए बड़े लोगों पर नजर रख रहे हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि पिछले एक साल में, उन्होंने तथाकथित व्हेलिंग अटैक या सीईओ धोखाधड़ी की घटनाओं में कम से कम दो से तीन गुना वृद्धि देखी है। इसमें घोटालेबाज सोशल इंजीनियरिंग का यूज करके टॉप कॉर्पोरेट अधिकारी बन जाते हैं। इसके बाद वे कर्मचारियों को पैसे भेजने, संवेदनशील डेटा प्रदान करने, गिफ्ट कार्ड खरीदने या नेटवर्क एक्सेस की अनुमति देने के लिए धोखा देते हैं। इन घटनाओं से अकसर वित्तीय नुकसान, डेटा ब्रीच और कुछ मामलों में कंपनियों के लिए ऑर्गनाइजेशन रेपुटेशन को नुकसान होता है। ईवाई इंडिया के फोरेंसिक एंड इंटीग्रिटी सर्विसेज के पार्टनर रंजीत बेल्लारी का कहना है कि यह एक बड़ा नेक्सस है; संगठित आपराधिक गिरोह इसमें सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि हम पिछले सात-आठ सालों से सोशल इंजीनियरिंग धोखाधड़ी की जांच कर रहे हैं, लेकिन सीईओ/सीएक्सओ-स्तर के अधिकारियों को निशाना बनाने वालों की संख्या में हाल ही में बढ़ोतरी हुई है। बेल्लारी का कहना कि धोखेबाज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर रहे हैं। वे बॉट-आधारित अटैक कर रहे हैं। इसमें अधिकारियों के सोशल मीडिया प्रोफाइल और अन्य उपलब्ध कंटेंट की स्टडी करके बहुत ही विश्वसनीय मेल तैयार कर रहे हैं जो वैलिड लगते हैं। बेल्लारी ने कहा कि ये हमले आंशिक रूप से कम अवेयरनेस के कारण प्रभावी हैं। इसलिए भी क्योंकि धोखेबाजों को एहसास हो गया है कि सीनियर अधिकारियों से मिले ईमेल पर कर्मचारियों से ऐक्शन करवाना आसान है। धोखे से बचने की पहली लाइन है कि आपको किसी व्यक्ति पर आंख मूंदकर भरोसा नहीं करना चाहिए। कंपनियां अब कर्मचारियों के लिए अवेयरनेस सेशन भी करवा रही हैं। हालांकि, अधिकत मामलों में, यह रिएक्टिव होने के बजाय प्रोएक्टिव होता है। कई मामलों में, कंपनियां और व्यक्ति इस फैक्ट को छिपाने की कोशिश करते हैं कि उनके साथ धोखाधड़ी की गई है। इसका अर्थ है कि मामलों की वास्तविक संख्या रिपोर्ट की गई संख्या से कई गुना अधिक होने की संभावना है। केवल कॉर्पोरेट कर्मचारी ही नहीं, बल्कि आईआईएम जैसे इंस्टीट्यूट के फैकल्टी को भी हैकर्स से निदेशक या शीर्ष अधिकारियों के रूप में ईमेल या व्हाट्सएप मैसेज मिले। एक आईआईएम निदेशक का कहना है कि कथित तौर पर उनकी तरफ से भेजे गए मेल कई फैकल्टी मेंबर्स को भेजे गए थे। इसमें गिफ्ट कार्ड खरीदने और डिटेल भेजने के लिए कहा गया था। निदेशक ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा कि यह एक बार नहीं बल्कि कई बार हुआ है। हमने अब और अधिक सख्त सिस्टम लागू कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे फिर से निशाना बनाए जाने की आशंका है।

कैसे निकलेगा रूस-यूक्रेन युद्ध बंद करने का रास्ता?

सवाल उठता है कि तीसरे साल में प्रवेश कर चुके इस युद्ध को थामने या बंद करवाने का रास्ता कैसे निकलेगा। इस दिशा में यदि भारत के ओर से सुझाए गए फॉर्मूले पर विचार किया जाए तो निश्चित ही समाधान हो सकता है। पिछले सप्ताह इटली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात के दौरान कहा था कि भारत, रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अपने साधनों के भीतर हरसंभव प्रयास करना जारी रखेगा।

यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने का रास्ता तलाशने के लिए स्विट्जरलैंड में आयोजित दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में 90 से अधिक देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में हालांकि कोई ठोस हल नहीं निकल सका और आगे भी शांति के प्रयास जारी रखने पर सहमति व्यक्तकी गई। इस सम्मेलन में रूस को आमंत्रित नहीं किया गया था, इसलिए इसके सफल होने की संभावना पहले से ही कम थी। रूस ने भी इस सम्मेलन को समय की बर्बादी बताया था। हालांकि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के समक्ष एक सशर्त शांति प्रस्ताव रखा था जिस पर भी इस सम्मेलन में चर्चा की गई और उसे लगभग खारिज कर दिया गया। इस सम्मेलन से चीन भी नदारद रहा।

भारत समेत कुछ देशों ने यूक्रेन में शांति के लिए स्विट्जरलैंड द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए और किसी भी विज्ञप्ति या दस्तावेज से खुद को अलग कर लिया। भारत के अलावा सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, थाईलैंड, इंडोनेशिया, मैक्सिको और संयुक्त अरब अमीरात ने विज्ञप्ति पर हस्ताक्षर नहीं किए। गौरतलब है कि भारत, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात ब्रिक्स आर्थिक समूह के सदस्य हैं और इन सभी का रूस के साथ महत्वपूर्ण व्यापारिक संबंध है।

शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने वाले स्विट्जरलैंड ने कहा है कि 90 से अधिक देशों ने वार्ता में भाग लिया और उनमें से अधिकांश ने विज्ञप्ति पर हस्ताक्षर किए। इसके अलावा ब्राजील, जिसने पर्यवेक्षक देश के रूप में शिखर सम्मेलन में भाग लिया, उसने भी हस्ताक्षर नहीं किए। तुर्की के बारे में माना जा रहा था कि वह भी हस्ताक्षर नहीं करेगा लेकिन चूंकि वह रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाना चाहता है इसलिए उसने दस्तखत कर दिए।

बताया जा रहा है कि शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले 90 देशों में से लगभग 83 ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किए। बयान में दोहराया गया कि युद्ध समाप्त करने के लिए किसी भी शांति समझौते में यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। संयुक्त बयान में आह्वान किया गया है कि युद्ध के सभी कैदियों को रिहा किया जाए और निर्वासित तथा अवैध रूप से विस्थापित किए गए सभी यूक्रेनी बच्चों को यूक्रेन वापस भेजा जाए। शिखर सम्मेलन में कार्य समूहों ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा और परमाणु सुरक्षा के मुद्दों पर भी चर्चा की। बैठक में शामिल देशों ने यूक्रेन से जापोरीजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर पूर्ण संप्रभु नियंत्रण रखने का भी आह्वान किया।

इस बैठक के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने सहमति जताई है कि वह शांति कायम करने के लिए विभिन्न समूहों में रहते हुए काम करते रहेंगे और एक बार शांति के लिए कार्य योजना तैयार हो जाने पर, दूसरे शिखर सम्मेलन के आयोजन का रास्ता खुला रहेगा। जेलेंस्की ने चीन से भी अपील की है कि वह रूस को शांति के लिए मनाने में मदद करे। जहां तक इस बैठक के दौरान अमेरिका के रुख की बात है तो आपको बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा प्रस्तुत शांति प्रस्ताव को अनुचित बताते हुए खारिज कर दिया। सुलिवन ने शांति शिखर सम्मेलन में कहा, अगर रूस का प्रस्ताव माना जाता है तो यूक्रेन को न केवल वह क्षेत्र छोड़ना होगा जिस पर रूस ने वर्तमान में कब्जा कर रखा है, बल्कि यूक्रेन को अतिरिक्त क्षेत्र भी छोड़ना पड़ सकता है। इस बैठक में अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी उपस्थित थीं। उन्होंने इस अवसर का उपयोग यूक्रेन के लिए 1.5 बिलियन डॉलर के सहायता पैकेज की घोषणा करने के लिए किया। यह पैसा यूक्रेन में मानवीय कार्यों में मदद और वहां युद्ध से जर्जर बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण में उपयोग होगा। वहीं कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि उनका देश यूक्रेन की मदद के लिए आने वाले महीनों में यहां मौजूद देशों के विदेश मंत्रियों की एक बैठक की मेजबानी करने की योजना बना रहा है।

दूसरी ओर, भारत ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए रूस और यूक्रेन के बीच ईमानदारी और व्यावहारिक भागीदारी का आह्वान किया। हम आपको बता दें कि विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) पवन कपूर ने स्विस रिसॉर्ट बर्गेनस्टॉक में आयोजित शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें कई राष्ट्राध्यक्षों सहित 90 से अधिक देशों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। अपने संक्षिप्त संबोधन में भारत के वरिष्ठ राजनयिक ने कहा कि शांति शिखर सम्मेलन में भारत भागीदारी और यूक्रेन के शांति फार्मूले पर आधारित वरिष्ठ अधिकारियों की कई पूर्व बैठकें हमारे स्पष्ट और सुसंगत दृष्टिकोण के अनुरूप हैं कि स्थायी शांति केवल बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही प्राप्त की जा सकती है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने शिखर सम्मेलन के उद्घाटन और समापन पूर्ण सत्र में भाग लिया।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत ने इस शिखर सम्मेलन से जारी होने वाले किसी भी विज्ञप्ति या दस्तावेज से खुद को संबद्ध नहीं किया है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि सम्मेलन में भारत की भागीदारी, साथ ही यूक्रेन के शांति फार्मूले पर आधारित पूर्ववर्ती एनएसए या राजनीतिक निदेशक स्तर की बैठकों में भागीदारी, संवाद और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान को सुगम बनाने के हमारे सतत दृष्टिकोण के अनुरूप है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत का मानना है कि इस तरह के समाधान के लिए संघर्ष में शामिल दोनों पक्षों के बीच ईमानदारी और व्यावहारिक भागीदारी की आवश्यकता है। मंत्रालय ने कहा कि इस संबंध में, भारत सभी हितधारकों के साथ-साथ दोनों पक्षों के साथ बातचीत जारी रखेगा, ताकि शीघ्र और स्थायी शांति लाने के लिए सभी गंभीर प्रयासों में योगदान दिया जा सके।

दूसरी ओर स्विट्जरलैंड के विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि 83 देशों और संगठनों ने यूक्रेन में शांति पर उच्च स्तरीय सम्मेलन के अंत में संयुक्त बयान को मंजूरी दी। हम आपको बता दें कि रविवार को संपन्न हुए शिखर सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भविष्य की शांति प्रक्रिया को प्रेरित करना था। रूस को शिखर सम्मेलन में आमंत्रित नहीं किया गया था, जबकि चीन ने इसमें शामिल नहीं होने का फैसला किया।

जहां तक पुतिन के प्रस्ताव की बात है तो आपको बता दें कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में तत्काल युद्धविराम और बातचीत शुरू करने का प्रस्ताव दिया है लेकिन उनकी शर्त है कि इसके लिए कीव को कब्जे वाले क्षेत्रों से अपने सैनिकों को वापस बुलाना होगा और नाटो में शामिल होने की योजना त्यागनी होगी। पुतिन ने पिछले सप्ताह यह प्रस्ताव पेश करते हुए कहा था कि अगर यूक्रेन हमारा प्रस्ताव मानता है तो हम अपने वादे पर तुरंत अमल करेंगे।

अब सवाल उठता है कि तीसरे साल में प्रवेश कर चुके इस युद्ध को थामने या बंद करवाने का रास्ता कैसे निकलेगा। इस दिशा में यदि भारत के ओर से सुझाए गए फॉर्मूले पर विचार किया जाए तो निश्चित ही समाधान हो सकता है। हम आपको बता दें कि पिछले सप्ताह इटली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात के दौरान कहा था कि भारत, रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अपने साधनों के भीतर हरसंभव प्रयास करना जारी रखेगा। उन्होंने यह भी कहा था कि शांति का रास्ता बातचीत और कूटनीति से होकर गुजरता है।

99 की सक्सेस को शतक में कैसे बदलेगी कांग्रेस?

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के तहत भले ही केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार बनी हो, लेकिन सही मायने में लॉटरी तो कांग्रेस की लगी है। चुनाव के नतीजों के बाद राहुल गांधी देश में हीरो बनकर उभरे हैं। राहुल गांधी ने वायनाड और रायबरेली दोनों सीटों पर बड़ी जीत हासिल की है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि जो कांग्रेस अपने अस्तिस्व को बचाने को लेकर जद्दोजहद में लगी हो, उसके हाथ 99 सीटें लगना किसी संजीवनी से कम नहीं है। इस बार के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया है और 52 सीटों से 99 सीटों पर पहुंच गई है। हालांकि, कांग्रेस अपना शतक पूरा नहीं कर सकी। ऐसे में कांग्रेस को आगे की सफलताओं के लिए कड़ा संघर्ष जारी रखना होगा।

2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 99 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया है। ये जीत कांग्रेस के लिए संजीवनी से कम नहीं है। इस जीत ने साबित कर दिया है कि भारतीय राजनीति में अभी भी लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हैं। पहले ऐसा लगता था कि कांग्रेस भले ही कुछ राज्यों के चुनाव जीत ले, लेकिन राष्ट्रीय राजनीति में उसकी वापसी मुश्किल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के आगे कांग्रेस कमजोर दिख रही थी। लेकिन लोकसभा चुनाव के नतीजों ने इस मिथक को तोड़ दिया है। कांग्रेस ने सिर्फ दक्षिण ही नहीं, बल्कि उत्तर भारत में भी अपनी पकड़ मजबूत की है। यहां तक कि बीजेपी के गढ़ माने जाने वाले इलाकों में भी कांग्रेस ने अपनी जगह बनाई है।

बड़ा सवाल ये है कि कांग्रेस इस जीत को आगे कैसे बढ़ाएगी? पिछले 10 सालों में जब-जब पार्टी को कामयाबी मिली, वो आगे नहीं बढ़ पाई छोटी-मोटी जीत से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। अगर कांग्रेस 2029 में वापसी करना चाहती है और 200 सीटें जीतकर सरकार बनाना चाहती है, तो उसे अपनी जीत का सिलसिला जारी रखना होगा। कुछ आंकड़े बताते हैं कि जहां-जहां भारत जोड़ो यात्रा निकली, वहां कांग्रेस को फायदा हुआ। कुल मिलाकर, यह कहना गलत नहीं होगा कि दोनों यात्राओं से कांग्रेस को वोट और सीटें दोनों जगह बढ़त मिली। यात्राओं ने पार्टी के निराश कार्यकर्ताओं में जोश भरा।

एक-दो दिन के विरोध प्रदर्शन काफी नहीं हैं। पार्टी को हफ्तों और महीनों तक चलने वाले लंबे अभियानों की जरूरत है। इस विशाल देश के 140 करोड़ विविध लोगों तक अपनी बात पहुंचाने के लिए यही कारगर तरीका है। खासकर तब जब मीडिया आपको उचित कवरेज न दे। ये काम 2028 तक नहीं टाला जा सकता। कांग्रेस पार्टी को हमेशा एक राष्ट्रीय अभियान चलाते रहना चाहिए, भले ही वह राज्य चुनावों में कैसा भी प्रदर्शन कर रही हो। राज्य चुनावों के दौरान राष्ट्रीय अभियानों को रोकने के बजाय, राष्ट्रीय अभियान को राज्य अभियानों का पूरक माना जाना चाहिए। हर साल एक बड़ा राष्ट्रीय अभियान चलाने से कोई यह नहीं कहेगा कि ह्यकांग्रेस क्या कर रही है?ह्ल और जनता से जुड़कर विपक्ष की भूमिका निभाती रहेगी। इस अभियान का नेतृत्व आदर्श रूप से राहुल गांधी को करना चाहिए, भले ही यह पहली भारत जोड़ो यात्रा जितना कठिन न हो। गांधी की भागीदारी ने सुनिश्चित किया कि पार्टी के सभी लोग गुटबाजी को दरकिनार कर यात्रा को अपना सर्वश्रेष्ठ दें।

जीत की राह आसान बनाने के लिए जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा राज्यों में जीत हासिल की जाए। सबसे पहले नजर महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और झारखंड पर होगी। पहले दो राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन अच्छा रहा है। ऐसा लगता है कि पार्टी दोनों राज्यों में सरकार बनाने में कामयाब हो सकती है। लेकिन, भाजपा भी हार मानने वालों में से नहीं है। वो महाराष्ट्र और हरियाणा में हार से बचने की पूरी कोशिश करेगी। इसलिए, कांग्रेस को ये नहीं सोचना चाहिए कि दोनों राज्य उसकी मुट्ठी में हैं। ज्यागा आत्मविश्वास से गलतियां हो सकती हैं। हरियाणा में पार्टी को एकजुट होकर चुनाव लड़ना होगा। उन्हें ये साबित करना होगा कि कांग्रेस सिर्फ जाटों की पार्टी नहीं है। पार्टी के अंदरूनी गुटबाजी को खत्म करना बहुत जरूरी है। कांग्रेस को अपने अभियान से ये सुनिश्चित करना होगा कि जाट विरोधी वोट एकजुट ना हो सकें।

महाराष्ट्र में कांग्रेस ने सबसे बड़ी पार्टी बनकर सबको चौंका दिया है। इससे महाराष्ट्र कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार पर दबाव बनाने की कोशिश कर सकती है, जिनकी पार्टियों ने कठिन परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन किया है। महाराष्ट्र विकास अघाड़ी गठबंधन को अपना न्यूनतम कार्यक्रम और उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करना चाहिए। महाराष्ट्र कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में फिर से सबसे बड़ी पार्टी बनने का लक्ष्य रखना चाहिए।

दिल्ली में कांग्रेस को आम आदमी पार्टी से गठबंधन पर स्पष्टता मांगनी चाहिए। अगर आम आदमी पार्टी, कांग्रेस को लटकाए रखती है, तो कांग्रेस न तो पूरी तरह से सत्ता विरोधी रुख अपना पाएगी और न ही गठबंधन के साथ जा पाएगी। अगर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत नहीं मिलती है, तो फरवरी 2025 के दिल्ली चुनाव अप्रत्याशित होंगे। यह स्थिति दिल्ली कांग्रेस को खुद को नए सिरे से स्थापित करने का मौका देती है।

राजस्थान में अशोक गहलोत की कल्याणकारी योजनाओं का असर दिखा। भाजपा को उम्मीद थी कि उसे 150 सीटें मिलेंगी, लेकिन उसे 2023 के विधानसभा चुनावों में लगभग 120 सीटें ही मिल पाईं। राजस्थान में हर 5 साल में सरकार बदलती रहती है। लेकिन अगर भाजपा को मध्य प्रदेश जैसी बड़ी जीत मिल जाती, तो कांग्रेस लोकसभा चुनाव में 12 सीटें नहीं जीत पाती। राजस्थान से सीख मिलती है कि सिर्फ एक चुनाव के बारे में नहीं सोचना चाहिए। कांग्रेस को अगले दो-तीन चुनावों को ध्यान में रखकर रणनीति बनानी चाहिए। कांग्रेस को अपनी गति बनाए रखने के लिए यही करना होगा।

आयुष्मान की फिल्म दायरा पर आई बड़ी जानकारी

इस मशहूर अभिनेत्री संग नजर आएंगे अभिनेता

आयुष्मान खुराना हिंदी फिल्मों के जाने माने अभिनेता हैं। एक के बाद एक सफल फिल्में दे कर उन्होंने अपने लिए मुकाम हासिल कर लिया है। उन्हें एक खास शैली की फिल्में करने के लिए जाना जाता है। उनकी हर फिल्मों में समाज के लिए कोई ना कोई संदेश छिपा होता है। साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म विक्की डोनर से डेब्यू करने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा है। अब एक बार फिर वह अपनी फिल्म के जरिए दर्शकों से रूबरू होने वाले हैं।

मेघना गुलजार की फिल्म में नजर आएंगे आयुष्मान आयुष्मान ने अपने 12 साल लंबे फिल्मी करियर में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उनकी पिछली फिल्म ड्रीम गर्ल ने भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। इस फिल्म ने दुनिया भर में 140 करोड़ रुपये से यादा की कमाई की थी। फिल्म में वह पूजा के किरदार में दिखे थे, जिसके लिए उन्हें दर्शकों से तारीफें भी मिलीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह अब मशहूर निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म दायरा में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह एक जानी-मानी अभिनेत्री के साथ स्क्रीन साझा करेंगे।

आयुष्मान के साथ नजर आ सकती हैं करीना कपूर दर्शकों के लिए आयुष्मान और मेघना गुलजार की जुगलबंदी वाली इस फिल्म को देखना काफी दिलचस्प रहने वाला है। मेघना को तलवार, राजी, सैम बहादुर जैसी शानदार फिल्मों के लिए जाना जाता है। इसके अलावा मेघना पर्दे पर नई जोड़ियां बनाने के लिए भी जानी जाती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मशहूर अभिनेत्री करीना कपूर मेघना गुलजार की इस फिल्म में आयुष्मान खुराना के साथ नजर आ सकती हैं।

हैदराबाद की दुखद घटना पर आधारित है फिल्म दायरा को 2019 के हैदराबाद दुखद और घृणित घटना पर आधारित एक थ्रिलर ड्रामा फिल्म बताया जा रहा है, जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। हालांकि, यह फिल्म अभी अपने शुरुआती चरण में ही है, फिलहाल फिल्म का प्री-प्रोडक्शन चल रहा है। रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि इस साल की आखिरी तिमाही में फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली है। इस फिल्म का निर्माण जंगली पिक्चर्स द्वारा किया जा रहा है।

शादी से पहले हुमा संग मस्ती करती दिखीं सोनाक्षी

बैचलर पार्टी में जहीर भी जमकर नाचे

बॉलीवुड की दबंग अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। सोनाक्षी अभिनेता जहीर इकबाल की दुल्हन बनेंगी। शादी से पहले अभिनेत्री अपने दोस्तों के संग मस्ती करती नजर आईं। आइए जानते हैं सोनाक्षी की बैचलरेट पार्टी में क्या सब हुआ और जहीर इकबाल ने कैसे अपनी बैचलर पार्टी को सेलिब्रेट किया सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। अपनी शादी से पहले दोनों ने सोमवार रात को अपने-अपने इंस्टाग्राम हैंडल से अपने बैचलर पार्टी की तस्वीरों को अपने फैंस के संग साझा किया है। सोनाक्षी सिन्हा की खास दोस्त हुमा कुरैशी भी उनकी खुशी में शामिल होने के लिए पार्टी में पहुंची थीं। होने वाली दुल्हन सोनाक्षी सिन्हा ब्लैक रंग के शॉर्ट ड्रेस में बेहद खूबसूरत नजर आ रही थीं। सोनाक्षी की सहली हुमा ने उनसे ट्विनिंग करते हुए ब्लैक ड्रेस ही पहना था।तस्वीरों में दोनों सहेलियों के चेहरे पर खुशी देखी जा सकती है। वहीं जहीर इकबाल ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी से अपने बैचलर पार्टी की तस्वीरों को साझा किया है। अपने दोस्तों के साथ जहीर ने जमकर पार्टी की और फोटो में उनके चेहरे की रौनक देखते ही बन रही है। अभिनेता ने अपने दोस्तों के साथ एक ग्रुप सेल्फी साझा किया है जिसके कैप्शन में लिखा है चलो चलें। सोनाक्षी सिन्हा 23 जून को जहीर के साथ शादी करेंगी। अभी कुछ दिन पहले जहीर की बहन और सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट सनम रतनसी ने अपने परिवार के साथ सोनाक्षी की बॉन्डिंग की एक तस्वीर को साझा किया था। सूत्रों की मानें तो जहीर के घरवाले सोनाक्षी को बहू के रूप में पा कर काफी खुश हैं। वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बात करें तो सिन्हा परिवार इस शादी को लेकर नाखुश हैं। अब देखना है कि सोना की शादी में कौन-कौन से स्टार्स शामिल हो रहे हैं। कहा जा रहा है कि शादी के कार्ड बंट चुके हैं।

विजय माल्या के घर बजने वाली है शहनाई

जल्द ही जैस्मिन संग सिद्धार्थ शादी के बंधन में बंधेंगे

बिजनेसमैन विजय माल्या इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। जल्द ही उनके घर शहनाई बजने वाली है। बिजनेसमैन विजय माल्या के बेटे सिद्धार्थ माल्या अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड जैस्मीन से शादी करने जा रहे हैं। खुद सिद्धार्थ माल्या ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से पोस्ट साझा करते हुए इस बात की जानकारी को अपने फैंस के संग साझा किया है। आइए जानते हैं सिद्धार्थ कब और कहां शादी करने जा रहे हैं।

लंदन में होगी शानदार शादी सिद्धार्थ माल्या बिजनेसमैन विजय माल्या के लाडले बेटे हैं। इन दिनों वे लंदन में रह रहे हैं। आज सिद्धार्थ माल्या ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से एक पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने अपनी शादी के बारे अपने फैंस को बताया है। सिद्धार्थ माल्या ने अपनी होने वाली दुल्हन जैस्मिन के संग एक प्यारी से तस्वीर को साझा किया है। उन्होंने फोटो के कैप्शन में लिखा है, शादी का सप्ताह शुरू हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यह शादी लंदन में होने जा रही है।

हैलोवीन पर किया था जैस्मीन को प्रपोज सिद्धार्थ माल्या जैस्मिन से बहुत प्यार करते हैं। उन्होंने साल 2023 में हैलोवीन के मौके पर जैस्मिन को प्रपोज किया था। सोशल मीडिया पर दोनों की वो तस्वीरें भी खूब वायरल हुई थीं। घुटनों के बल बैठकर सिद्धार्थ माल्या ने जैस्मिन को प्रपोज किया था। वहीं नई तस्वीर में सिद्धार्थ और जैस्मिन फूलों के फ्रेम में पोज देते हुए दिखाई दे रहे हैं। कई यूजर्स होने वाले पति-पत्नी को कमेंट सेक्शन में आकर बधाई दे रहे हैं और कई यूजर्स शादी की तारीख पूछते नजर आ रहे हैं।

सिद्धार्थ माल्या ने मानसिक स्वास्थ्य पर लिखी हैं किताबें जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे सिद्धार्थ माल्या ने अभिनय और मॉडलिंग के अलावा मानसिक स्वास्थ्य पर दो किताबें लिखी हैं। उनकी दोनों किताबों को युवाओं ने काफी सराहा भी है। वे युवाओं के बीच मानसिक स्वास्थ्य के लिए जागरूकता फैलाते नजर आते हैं। सिद्धार्थ माल्या ने अपनी पहली किताब इफ आई एम ऑनेस्ट~ ए मेमॉयर ऑफ माई मेंटल हेल्थ जर्नी में अपने डिप्रेशन के बारे में खुलकर बातें की हैं।

बॉक्स ऑफिस पर विक्की की छावा के साथ क्लैश करेगी पुष्पा द रूल

रश्मिका के फैंस के लिए होगी ट्रीट

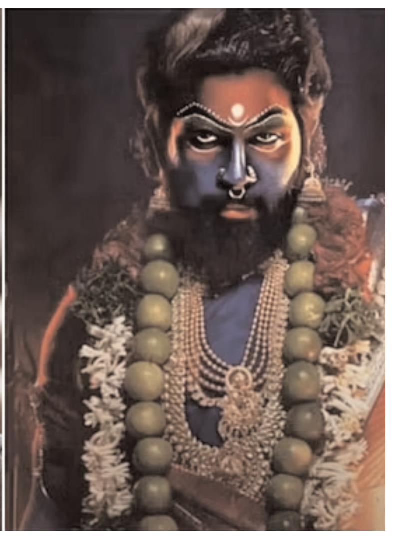

साउथ अभिनेता अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म पुष्पा द रूल लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। सुकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अल्लू अर्जून के साथ रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। फिल्म 15 अगस्त को रिलीज होने वाली थी। मगर शूटिंग में देरी के चलते फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। ऐसे में फैंस का का दिल टूट गया है। अब ये फिल्म अगस्त के बजाय दिसंबर में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म की नई रिलीज डेट ने विक्की कौशल की आगामी फिल्म छावा के मेकर्स की चिंता बढ़ी दी है। निर्देशक सुकुमार की मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 अब बॉक्स ऑफिस पर बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल की फिल्म छावा से टकराएगी। पुष्पा द रूल को लेकर दर्शकों में जबर्दस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। ऐसे में अन्य मेकर्स की नींद उड़ गई है। पुष्पा द रूल पहले 15 अगस्त 2024 को रिलीज होने वाली थी। ऐसे में बताया जा रहा था कि रोहित शेट्टी की अजय देवगन स्टारर फिल्म सिंघम अगेन की रिलीज डेट को आगे खिसका दिया गया है। अब ये फिल्म दिवाली के मौके पर दस्तक देगी। सिंघम अगेन की रिलीज डेट की बदलाव ने सभी को हैरान कर दिया था। यूजर्स का कहना है कि पुष्पा 2 के डर से फिल्म के मेकर्स ने ये फैसला लिया। सिंघम अगेन के बाद पुष्पा द रूल की रिलीज डेट छावा के मेकर्स के लिए सिरदर्द बन गई है। पुष्पा 2 की नई रिलीज डेट से छावा पर बारी असर पड़ सकता है। ऐसे में ये कयास लगाए जा रहे हैं कि विक्की कौशल अभिनीत फिल्म की रिलीज में भी बदलाव हो सकता है। अगर ऐसा नहीं होता है, तो दोनों फिल्मों में जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिल सकती है। इस दोनों ही फिल्मों एक खास कनेक्शन है। दरअसल, दोनों फिल्मों में रश्मिका मंदाना ही लीड अभिनेत्री के तौर पर हैं। ऐसे में दोनों फिल्मों के साथ में आने से रश्मिका के फैंस के लिए किसी बड़ी ट्रीट से कम नहीं होगी। छावा 6 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। वहीं पुष्पा द रूल के निर्माताओं ने इसकी नई रिलीज की तारीख से बीते दिन पर्दा उठायाया है। ये फिल्म अब 6 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सोमवार शाम को अल्लू अर्जुन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पुष्पा 2~ द रूल का नया पोस्टर साझा कर फिल्म की नई रिलीज डेट से पर्दा उठाया है।

शूटिंग से महीना भर पहले तक लापता थे अनुराग कश्यप, तय हो गया दूसरे अभिनेता का नाम और फिर..

इन दिनों हिंदी सिनेमा में जिस एक वेब सीरीज की सबसे ज्यादा चर्चा है, वह है डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर इसी शुक्रवार प्रसारित होने जा रही सीरीज 'बैड कॉप'। जर्मन भाषा में इसी नाम से बनी एक वेब सीरीज के इस हिंदी अनुकूलन में अनुराग कश्यप विलेन के किरदार में हैं और बीते शुक्रवार को रिलीज हुई विजय सेतुपति की फिल्म 'महाराजा' के बाद उनके इस पूर्णकालिक खलनायक अवतार की चर्चा में सीरीज के बाकी तमाम पहलू हाशिये पर जाते दिख रहे हैं। चर्चित वेब सीरीज 'कोहरा' की हीरोइन हरलीन सेठी भी इस सीरीज में एक दमदार किरदार में नजर आने वाली हैं। जहां तक बात निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप की है तो सेहत में सुधार होने के बाद से वह अभिनय को लेकर खासे सक्रिय हैं। बताते हैं कि जब वेब सीरीज 'बैड कॉप' को भारत में बनाने वाली कंपनी फ्रीमैंटल इंडिया ने इस किरदार के लिए अनुराग कश्यप को संपर्क करना शुरू किया तो उनसे हफ्तों तक बात ही नहीं हो पाई। इसी बीच सीरीज के लिए निर्देशक आदित्य दत्त का नाम फाइनल हुआ और उनके आने के बाद अनुराग कश्यप के स्थान पर एक दूसरे अभिनेता का नाम भी प्रोडक्शन कंपनी ने ओटीटी को सुझाया जिस पर ओटीटी ने रजामंदी भी दे दी थी। लेकिन, निर्देशक आदित्य दत्त इस मौके पर अनुराग के नाम पर अड़ गए। वेब सीरीज 'बैड कॉप' के निर्माण से जुड़े सूत्र बताते हैं कि अनुराग कश्यप ने हफ्तों तक फ्रीमैंटल की कास्टिंग टीम की फोन कॉल और संदेशों का जवाब नहीं दिया तो उनके स्थान पर अभिनेता दानिश हुसैन के नाम पर चर्चा शुरू हो गई थी। लेकिन तभी शूटिंग शुरू होने से ठीक महीना भर पहले अनुराग कश्यप का प्रोडक्शन कंपनी के पास फोन आया और इस बारे में उनसे बात शुरू हुई। जानकारी के मुताबिक सीरीज के निर्देशक आदित्य दत्त की इसके बाद बहुत ही संक्षिप्त मुलाकात अनुराग कश्यप से हुई और इस मिनटों की मुलाकात में आदित्य ने वेब सीरीज के लिए कश्यप को राजी कर लिया।

अमेरिका में जोरदार तरीके से रिलीज होगी मेगालोपोलिस, लायंसगेट के साथ हुआ वितरण सौदा

फ्रांसिस फोर्ड कोपोला की 12 करोड़ डॉलर में बनकर तैयार हुई फिल्म मेगालोपोलिस को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। पिछले महीने कान फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होने वाली इस फिल्म को 27 सितंबर को लांयसगेट की ओर से अमेरिका में रिलीज किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लायंसगेट और फिल्म की निर्माता कंपनी के बीच यह वितरण सौदा हुआ है। निर्देशक फ्रांसिस फोर्ड कोपोला ही इस फिल्म के निर्माता भी हैं। फिल्म अमेरिकन जोएट्रोप के बैनर तले बनी है। दिलचस्प बात यह है कि लायंसगेट की एक और फिल्म उसी दिन रिलीज होने वाली है। इस हॉरर फिल्म का नाम नेवर लेट गो है। वहीं, यूनिवर्सल द वाइल्ड रोबोट और पैरामाउंट इंटरस्टेलर की दसवीं सालगिरह पर इसे दोबारा रिलीज करने जा रही है। स्टूडियो पहले से ही कोपोला के अमेरिकन जोएट्रोप बैनर के साथ व्यापारिक रिश्ते रहे हैं। स्टूडियो ने फिल्मकार की कई फिल्मों के डायरेक्टर्स कट जैसे एपोकैलिप्स नाउ फाइनल कट, द कन्वर्सेशन, द कॉटन क्लब एनकोर, टकर~ द मैन एंड हिज ड्रीम, और वन फ्रॉम द हार्ट~ रिप्राइज को रिलीज किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार लायंसगेट स्टूडियो सभी होम एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म पर मेगालोपोलिस के वितरण को भी संभालेगा।मेगालोपोलिस के वितरण के लिए अन्य देशों के वितरकों की जानकारी भी सामने आ गई है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यूके में एंटरटेनमेंट फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स लिमिटेड, फ्रांस में ले पैक्टे, जर्मनी, ऑस्ट्रिया और स्विटजरलैंड में कॉन्स्टैंटिन फिल्म, इटली में ईगल पिक्चर्स, स्पेन में ट्रिपिक्चर्स, ऑस्ट्रेलिया में मैडमैन एंटरटेनमेंट, बेनेलक्स में सितंबर फिल्म्स, बुल्गारिया में प्रोफिल्म, चेक गणराय और स्लोवाकिया में फिल्म यूरोप, एक्स-यूगोस्लाविया में एमसीएफ मेगाकॉम फिल्म, ग्रीस में फीलगुड एंटरटेनमेंट, हंगरी में मोजिनेट, इस्त्राइल में लेव सिनेमाज, मोरक्को में फैसिलिटी इवेंट, पुर्तगाल में मिडास फिल्म्स, रोमानिया में इंडीपेंडेंटा फिल्म, स्कैंडिनेविया में नजुटाफिल्म्स, और तुर्की के बीर फिल्म इसे रिलीज करेंगे।

ग्वालियर में दो दिवसीय बलिदान मेला का आयोजन

वीरांगना बलिदान मेला के लिए भूमि पूजन का कार्यक्रम हुआ साधु संतो के सानिध्य में संपन्न

अरविन्द सिंह पवैया। सिटी चीफ ग्वालियर, ग्वालियर में स्वतंत्रता संग्राम स्वतंत्रता संग्राम की पहली वीरांगना झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान की 166 वीं वर्षगांठ पर लक्ष्मीबाई समाधि स्थल पर दो दिवसीय बलिदान मेला का आयोजन आज से किया जा रहा है। इस अवसर पर मेले के संस्थापक एवं अध्यक्ष जय भान सिंह पवैया ने बताया कि ग्वालियर में वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई समाधि स्थल पर 25 वर्ष से बलिदान मेले का आयोजन किया जा रहा है इसी क्रम में बलिदान मेला के लिए रविवार को समाधि स्थल पर भूमि पूजन किया गया है। सोमवार को बलिदान मेला के पहले दिन झांसी के किले से शहीद ज्योति यात्रा ग्वालियर आएगी।

शहीद ज्योति यात्रा को फूलबाग चौराहा से पैदल शोभा यात्रा के रूप में वीरांगना समाधि स्थल तक लेकर जाई जाएगी। इसी अवसर पर प्रदर्शनी %जरा याद करो कुर्बानी का उद्घाटन भी किया जाएगा। इसके बाद बलिदान मेला के दूसरे व आखिरी दिन 18 जून (मंगलवार) को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन व रानी लक्ष्मीबाई पर आधारित महानाट्य का मंथन किया जाएगा।

कटनी जिला अस्पताल में महिला चिकित्सक ने सिविल सर्जन पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप

कलेक्टर ने शिकायत की जांच टीम गठित कर, जांच के आदेश दिये

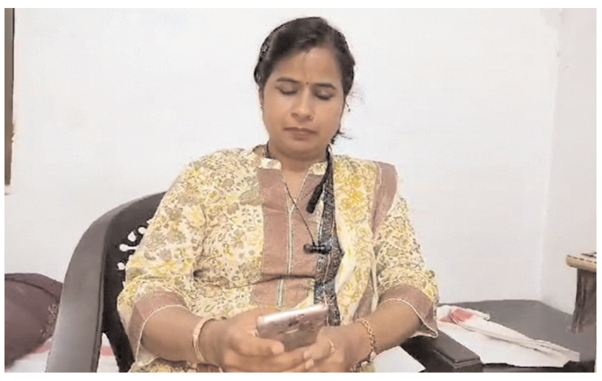

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, जिला अस्पताल में पदस्थ महिला डॉक्टर ने सिविल सर्जन यशवंत वर्मा पर गंभीर आरोप लगाए हैं । महिला डॉक्टर ने मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। जिसके बाद जिला कलेक्टर ने दो सदस्यों की टीम बनाकर जिसमे,छ्रू और छ्रूाह्व इस पुरे मामले में जांच कर रहें है, जांच के आधार पर जो भी तथ्य सामने आएगा उसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। महिला डॉक्टर सुनीता सिंह ने शिकायत में आरोप लगाया है कि सिविल सर्जन डॉक्टर वर्मा के द्वारा अस्पताल में पदस्थ अन्य महिला डॉक्टर के साथ भेदभावपूर्ण बर्ताव किया जाता है। उनके द्वारा अपनी पत्नी डॉक्टर सुनीता वर्मा को विशेष छूट और सुविधाएं मुहैया कराई जाती हैं, जबकि उनके साथ काम करने वाली अन्य महिला डॉक्टर को परेशान किया जाता है। डॉक्टर सुनीता सिंह ने बताया कि पिछले दस वर्षों से उन्हें डॉ. यशवंत वर्मा के द्वारा लगातार परेशान किया जा रहा है। मेटरनिटी वार्ड में कार्य करने का अवसर नहीं दे रहे हैं। अस्पताल में 10 महिला डॉक्टर हैं, लेकिन सिर्फ चार को ही हाईरिस्क केस, ऑपरेशन व सीजर के काम सौंपे गए हैं। सिविल सर्जन के द्वारा डॉक्टर सुनीता वर्मा को कंसल्टेंसी ड्यूटी से मुक्त रखा जाता है, जबकि अन्य महिला डॉक्टर को कॉल ड्यूटी एवं कंसल्टेंसी ड्यूटी के अलावा और भी कार्य सौंपे जाते हैं। इसके अलावा जिला अस्पताल में सभी अन्य भत्तों के लिए 10 प्रतिशत कमीशन का भी आरोप लगाया है। डॉ. सुनीता सिंह का आरोप है कि एक महिला डॉक्टर जनवरी माह से अस्पताल में पदस्थ हैं। पिछले छह माह से उनसे कोई कार्य नहीं कराया जा रहा है। उन्हें विशेष छूट दी गई है। न तो उनकी ड्यूटी आइपीसी 376 की एमएलसी में लगाई जाती है और न ही केजुअल्टी में।

कटनी के बरही में खेत में फसल की आड़ में की जा रही थी गांजा की भी खेती

मामले पर बरही पुलिस ने एक्शन लेते हुए गांजा की फसल को नष्ट कर आरोपी को गिरफ्तार किया

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, यह कार्यवाई बरही थाना क्षेत्र के खितौली चौकी अंतर्गत ग्राम बरनमोहगवां में हुई है। इस संबंध में बरही थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह यादव के हवाले से मिली जानकारी मुताबिक पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के मार्गदर्शन में गांजा तस्करी और बिक्री के खिलाफ बीते दिनों कई कार्यवाहियां देखने को मिली, लेकिन गांजे की खेती पहली दफा पकड़ी गई है। ग्राम बरनमहगवां में गांजे की खेती किए जाने की सूचना मुखबिर के द्वारा पुलिस को मिली थी। मामला गंभीर होने पर पूरे मामले की जानकारी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन को दी गई, जिसके बाद एसपी श्री रंजन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन में विजयराघवगढ़ एसडीओपी केपी सिंह के द्वारा गांजे की खेती पकडने के लिए बरही और खितौली पुलिस की संयुक्त टीम ने गांजे वाले खेत की तलाश करते हुए काफी मशक्कत के बाद गांजे की खेती करने वाले आरोपी को दबोच लिया। पुलिस ने यह भी बताया की बरनमहगवां निवासी 63 वर्षीय शीतल प्रसाद तिवारी के द्वारा उमराड़ नदी के समीप स्थित अपने खेत में अन्य फसलों के साथ गांजे के पौधे भी लगाए गए थे। खेत में एक झोपड़ी भी बनी थी। झोपड़ी के आसपास अधिकतर गांजे के पौधे लगे हुए थे। बीती शाम लगभग बरही खितौली पुलिस ने जब वहां दबिश दी तो आरोपी पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। जिसे घेराबंदी करके पकड़ा गया। पुलिस द्वारा आरोपी शीतल प्रसाद तिवारी के खेत से लगभग आधा सैकड़ा बड़े गांजे के लहलहाते पौधे पकड़े गए हैं। पुलिस ने गंजे को जप्त नहीं किया और उन्हें तत्काल वहीं पर नष्ट कर दिया। आरोपी के खेत से लगभग 4 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद किया गया आरोपी के खिलाफ 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। आरोपी के खेत से जप्त किए गए गांजे की बाजारू कीमत लगभग 42 हजार रुपए बताई जा रही है।

जल गंगा सवर्धन अभियान में जिला मैहर को मिला मध्य प्रदेश में तीसरा एवं नगर पालिका मे प्रथम स्थान

आल्हा तालाब देवी जी धाम मे किया गया सफाई अभियान

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ मैहर, मध्य प्रदेश शाशन के निर्देशानुसार जल गंगा सवर्धन अभियान विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से 16 जून तक निरंतर चालायमान रहा। उसी की कड़ी मे आल्हा तालाब देवी जी धाम मैहर में सफाई अभियान चलाया गया। ज्ञात हो इस अभियान में प्रमुख रूप से मैहर के लोकप्रिय विधायक श्री कांत चतुर्वेदी, कलेक्टर रानी बाटड, नगर पालिका अध्यक्ष श्री मति गीता संतोष सोनी, अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एस डी एम विकास सिंह, मैहर सी एम ओ लाल जी ताम्रकार, सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी के मार्गदर्शन के साथ प्रमुख एन जी ओ संस्थान, समाजसेवियो, सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी रावेंद्र पटेल, इंद्रजीत मैनी, नगर पालिका से मैहर सी एम ओ लाल जी ताम्रकार, दयाराम शुक्ला, राहुल पटेल, आकाश अग्रवाल, अशरफ अली, मनोज प्रजापति,रोहिणी तिवारी, दिनेश तिवारी, रवि शंकर गर्ग, संजय मिश्रा, राजेंद्र बर्मन, कृष्ण सिंह बघेल,शाहिद बेग, राकेश कुशवाहा,सफाई कर्मचारी, एन जी ओ से जगन सिंह, मनोज शुक्ला, रवींद्र सिंह , गोवर्धन गुप्ता,अजय मिश्रा, दीप्ति सिंह, पुनीत मैनी, भानू प्रताप सिंह, राजकुमार विश्वकर्मा, धीरज त्रिपाठी, सज्जन सिंह, मानविक मिश्रा, राजेंद्र सिंह, अजय गुप्ता, अनिकेत पाल, आदि सफाई कर्मचारियों का उल्लेखनीय योगदान रहा। सफाई अभियान आल्हा तालाब देवी जी धाम मे किया गया। जल गंगा सवर्धन सफाई स्वछता अभियान में सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में 264 नगर पंचायत, तीसरा स्थान एवम 99 नगर पालिका मे प्रथम स्थान अर्जित होना अपने आप मे गौरांवित करने वाला पल है। ज्ञात हो जल गंगा सवर्धन अभियान मे इंदौर को प्रथम, सागर को दूसरा एवम मैहर को तीसरा एवम नगर पालिका मे प्रथम स्थान प्राप्त होना अपने आप मे सम्पूर्ण मैहर वासियों के लिए खुशी का पल है। इस अभियान में जुड़े हुए मैहर विधायक, मैहर नगर पालिका अध्यक्ष, मैहर कलेक्टर, मैहर सी एम ओ के साथ सभी सम्बन्धित अधिकारी , शारदा प्रबन्धक समिति एवम सभी एन जी ओ सहयोग कर्ता बधाई के पात्र है। सभी के एक जुटता सेवार्थः रूपी सहयोग के साथ जो कार्य किया गया है उसी का प्रतिफल है कि मैहर जिला इस अभियान मे स्थान अर्जित कर मैहर की धरा का नाम अलंकृत किया है। मेरी कलम मैहर की जनता जनार्दन की ओर से सभी को सादर बधाई एवम शुभकामनाएं प्रदान करती है। इस जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आल्हा तालाब मैहर में तालाब की सफाई स्वैक्षिक संगठन मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के ब्लॉक जगन सिंह जी के नेतृत्व में सेवा वाहिनी से मनोज शुक्ला आरुणेय जनहित सेवा संस्थान से राजेंद्र सिंह नवदीप समृद्धि जन कल्याण समिति से दीप्ति सिंह शुभि जनकल्याण संस्थान से राजकुमार विश्वकर्मा कृष्ण विकास एवं प्रकृति प्रबंधन संस्थान अजय मिश्रा योगा ट्रेंनिंग अनिकेत पाल जनहित विकास परिषद से भानु प्रताप सिंह भदौरिया वत्सल राइजिंग यूथ फाउंडेशन से पुनीत मैनी 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस से 16 जून तक लगातार अभियान में श्रमदान किये।

जल निगम पाइपलाइन की कार्ययोजना अन्य विभागों के साथ साझा करे

कलेक्टर मैहर ने की जल जीवन निगम के कार्यों की समीक्षा

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ मैहर, 17 जून 2024/कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार मैहर में जल जीवन निगम के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में चल रहे पेयजल संबंधी कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने जल जीवन निगम के अधिकारियों से क्षतिग्रस्त पाइपलाइन के संबंध में जानकारी ली। जल जीवन निगम के अधिकारियों ने बताया कि जल जीवन निगम के अलावा क्षेत्र में अन्य शासकीय विभागों द्वारा भी विकास के कार्य किये जा रहे हैं। विभिन्न विभागों द्वारा खुदाई का कार्य करने के दौरान जल जीवन निगम की डाली गई भूमिगत पाइप लाइन को क्षतिग्रस्त कर दिया जाता है। जिससे पाइपलाइन बिछाने का कार्य बाधित हो रहा है। इस पर कलेक्टर श्रीमती बाटड ने कहा कि सभी विभाग आपसी तालमेल बना कर कार्य करें। दोनो विभाग के हुए नुकसान को आपसी समझौते से सुधार करें। कलेक्टर ने कहा कि जल जीवन निगम द्वारा डाली जा रही पाइप लाइन का नक्शा और प्लान संबंधित विभागो से साझा न करने की वजह से पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने की स्थिति बार-बार निर्मित हो रही है। जल निगम को संबंधित विभाग को नक्शा और प्लान साझा करने के निर्देश दिए। उन्होने जल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि पाइपलाइन डालने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत करवाई जाये। साथ ही वाटर बाडी डैम, तालाब से कम से कम 20 से 25 मीटर की दूरी से पाइपलाइन डाली जाए। बैठक में जल जीवन निगम, बीएसएनएल, पीडब्ल्यूडी, जिला पंचायत, एनएचआई, एमपीआरडीसी एवं एल एंड टी कंपनी के अधिकारी उपस्थित रहे।

ये इंसान नहीं हैवान हैं!, कछुए को जिंदा जलाया

वीडियो सोशल मीडिया पर डाला, दो युवकों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गौरव सिंघल । सिटी चीफ देवबंद, कोतवाली पुलिस ने गांव रणसूरा निवासी दो युवकों सुनील और आकाश को एक कछुए को क्रूरतापूर्वक आग में जिंदा जलाने के मामले में गिरफ्तार किया है। सीओ देवबंद अशोक सिसौदिया ने बताया कि वन्य जीव संरक्षण और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत यह कार्रवाई की गई है। गांव प्रधान फारूख ने देवबंद पुलिस को शिकायत की थी। जानकारी के मुताबिक गिरफ्तार युवकों ने एक कछुए को जिंदा जलाने का वीडियो खुद ही सोशल मीडिया पर वायरल किया था।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अखिलेश यादव के खिलाफ हो राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्जः गजराज राणा

दोनों नेताओं ने देश में किया अफवाह फैलाने का काम, जनता की भावना के साथ किया खिलवाड़, सरकार से सख्त एक्शन की मांग

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष गजराज राणा ने कहा कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा लोकसभा चुनाव में देश की जनता को गुमराह करने का काम किया है। संविधान बदलने की अफवाह फैलाकर लोगों के अंदर नफरत भरने की बड़ी साजिश रची गई। अतः सरकार को दोनों नेताओं के खिलाफ राष्ट्रद्रोह के आरोप में मुकदमा दर्ज करना चाहिए। शिक्षक नगर स्थित कैंप कार्यालय पर आयोजित कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व नगर अध्यक्ष गजराज सिंह राणा ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने की अफवाह फैलाने के आरोप में पुलिस को मुकदमा दर्ज करना चाहिए। जिस तरीके से राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा संविधान बदलने की अफवाह फैलाई गई यह सीआरपीसी आईटी एक्ट-2000 की धारा 67 का उल्लंघन माना जाएगा। इस धारा के अंतर्गत 3 साल की कैद और 5 लाख का जुर्माना लगता है। इतना ही नहीं अगर दोबारा फिर से अफवाह फैलाई गई तो इसमें 5 साल की कैद और 10 लाख का जुर्माना सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि दोनों लोगों पर सीआरपीसी 295 के तहत भी कार्रवाई होनी चाहिए। क्योंकि इन दोनों नेताओं ने देश के अंदर समाज में कटुता फैलाने और दलित और स्वर्ण के बीच खाई पैदा करने का घिनौना कार्य किया है। गजराज राणा ने कहा कि अगर सरकार ने उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की तो वह स्वयं कानून के माध्यम से दोनों नेताओं के खिलाफ राष्ट्रद्रोह और देश में आपसी भाईचारे को खत्म करने के आरोप में मुकदमा दर्ज करने का काम करेंगे। बैठक को पूर्व सभासद दीपक त्यागी, आनंद राणा विजेंद्र गुप्ता ने भी संबोधित किया। इस मौके पर राजेश त्यागी, अमरीश राणा, राहुल राणा, संजय राणा, मोनू त्यागी, मांगेराम, संदीप राणा, विजय सिंह आदि मौजूद रहे।

योग सप्ताह 21 जून तक चलेगा

दशम योग सप्ताह का हुआ भव्य रूप से शुभारंभ...

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, दशम अंतराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन द्वारा आयुष विभाग, शिक्षा विभाग व नगर निगम के सहयोग से जनमंच सभागार में योग सप्ताह का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ राज्य मंत्री बृजेश सिंह, योग गुरु पद्मश्री भारत भूषण, महापौर डॉ. अजय कुमार, नगर विधायक राजीव गुंबर, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, नगरायुक्त डॉ.संजय चौहान व अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. अर्चना द्विवेदी और भाजपा महानगर अध्यक्ष पुनीत त्यागी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। 15 जून से शुरु हुआ योग सप्ताह 21 जून तक चलेगा। अध्यक्षता योग गुरु पद्मश्री भारत भूषण ने की। जिला प्रशासन की ओर से अपर जिलाधिकारी डॉ.अर्चना द्विवेदी व आयुष विभाग के कृपाल सिंह ने अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर व पुष्प भेंटकर उनका स्वागत किया। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने अतिथियों का अभिनंदन करते हुए योग सप्ताह कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी और सभी लोगों से योग को अपने जीवन की दिनचर्या का आवश्यक हिस्सा बनाने की अपील की। इस अवसर पर पाइन वुड स्कूल व स्टेडियम के योग साधको ने श्री शिव तांडव प्रार्थना के साथ योगासनों का प्रदर्शन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि व राज्य मंत्री बृजेश सिंह ने कहा कि भारत विभिन्न संस्कृतियों से भरा देश है, लेकिन भारत की संस्कृति का आधार भारत की प्राचीन सनातन संस्कृति है। इसी संस्कृति के आधार पर भारत टिका है। उन्होंने कहा योग हमारी सबसे प्राचीन पद्धति है। बृजेश सिंह ने कहा कि जिस शिव तांडव योग साधक योग व नृत्य कर रहे थे। वह शिव तांडव हमारी संस्कृति है। उस नृत्य में भी योग का समावेश है, पूजा का समावेश है और प्रार्थना का समावेश है। उन्होंने स्वस्थ शरीर और लंबी आयु के लिए योग को अपनाने पर बल दिया। योग गुरु पद्मश्री भारत भूषण ने कहा कि योग का पहला सूत्र है शुचि होने का भाव,यानि शुद्धता और पवित्रता। उन्होंने लोगों से स्वयं अपने आप और अपने परिवेश को साफ, स्वच्छ रखने का आह्वान करते हुए अपने शहर को सुंदर बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। जो देश लड़ रहे है वह भी भारत से मित्रता चाहते है चूंकि हथियारों से, परमाणु बम से संतुलन तो बनाया जा सकता है लेकिन किसी को जीता नहीं जा सकता। दुनिया जानती है कि उनकी समस्या का समाधान भारत के पास है। केवल भारत ही एक ऐसा देश है जिसके पास नियोजित दृष्टि है। उन्होंने कहा कि आसन से शुरु कर भाषण पर समाप्त किया जाने वाला योग नहीं है,योग देश की सनातन संस्कृति है, उन्होंने उसे आगे ले जाने और बढ़ाने का आह्वान किया। महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि इस वर्ष योग की थीम महिला सशक्तिकरण के लिए योग है। हम शक्ति के उपासक है। हमें देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए महिला शक्ति को पहचानना होगा। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूरा देश योग को घर घर ले जाने की बात कर रहे है, योग को विश्व पटल पर ले जाया जा रहा है। आज जब लोगों में मानसिक अवसाद बढ़ रहा है, ऐसी स्थिति में योग का महत्व और बढ़ जाता है। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र ने कहा कि योग स्वस्थ जीवन के लिए अति आवश्यक है तथा यदि हम स्वस्थ होंगे तभी खुशियों का आनंद ले सकेंगे। योग का मतलब जुडना है और यह जुडाव मानवता के लिए अति आवश्यक है। जब हम सब देशवासी एकजुट होंगे तब देश और भी तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। इसके अलावा नगर विधायक राजीव गुंबर, नकुड़ विधायक मुकेश चौधरी व निवर्तमान सांसद प्रदीप चौधरी ने भी सम्बोधित किया। योग करने वाले साधकों को अतिथियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन राकेश शर्मा ने किया। समारोह में उक्त के अतिरिक्त अपर नगरायुक्त राजेश यादव, एस के तिवारी, एसडीएम सदर युवराज सिंह सहित आयुष व शिक्षा विभाग के अनेक अधिकारी मौजूद रहे।

बकरीद पर ईदगाह में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज अदा की

इस दौरान पर्व की एक-दूसरे को बधाई दी गई, बच्चे भी नमाज पढ़ने सजधज कर पहुंचे

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, बकरीद पर ईदगाह में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज अदा की। इस दौरान पर्व की एक-दूसरे को बधाई दी गई, बच्चे भी नमाज पढ़ने सजधज कर पहुंचे। बकरीद पर्व जनपद में हर्षल्लास से मनाया जा रहा है। सहारनपुर जिले में महानगर में अंबाला रोड स्थित ईदगाह में मुस्लिम समाज के लोग नमाज अदा करने पहुंचे और अल्लाह की इबादत में हजारों हाथ उठे। वहीं, अनेक मस्जिदों में नमाज अदा की गई। देश में खुशहाली और तरक्की की दुआ की गई। इसके बाद कुर्बानी दी गई। परिवार के सदस्यों के साथ बच्चे भी सजधजकर नमाज अदा करने पहुंचे। वहीं, पुलिस- प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। अंबाला रोड स्थित ईदगाह पर नमाज पढ़ने के लिए लोग सुबह से ही पहुंचना शुरू हो गए थे। शहर काजी नदीम अख्तर ने नमाज अदा कराई। नमाज के बाद देश में खुशहाली और अमन चैन की दुआएं मांगी गई। इस दौरान पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। वहीं, चौक फव्वारा स्थित जामा मस्जिद में नमाज अदा कराई। इसी तरह महानगर की मस्जिदों में भी लोगों ने अकीदत के साथ नमाज अदा की। ईदगाह के आसपास सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त रहे। अधिकारी भी पल-पल का जायजा लेते रहे। ईदगाह में नमाज संपन्न होने के बाद भीड़ को देखते हुए अंबाला रोड की तरफ जाने वाले वाहनों को कुछ देर के लिए रोका गया। उनको अन्य इलाकों से निकाला गया। यातायात व्यवस्था को ट्रैफिक पुलिसकर्मी घंटाघर से लेकर ईदगाह तक चप्पे-चप्पे तैनात रहे, जो यातायात व्यवस्था को सुचारू कराने में लगे रहे। बकरीद पर महानगर में रौनक दिखी। बच्चे, युवा और बड़े-बुजुर्ग नए परिधान पहनकर घर से निकले। लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर बकरीद की बधाई दी। युवाओं में अत्याधिक उत्साह नजर आया। बच्चों और युवाओं ने फोटो खींचकर सोशल मीडिया अपलोड किए।

दमोह प्रत्रकारों ने धूम धाम से मनाई नारद मुनि की जयंती

दीप प्रज्वलन करके किया कार्यक्रम का शुभारंभ

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।
दमोह, दमोह में नारद जयंती उत्सव समिति द्वारा आयोजित नाराज जयंती कार्यक्रम स्थानीय अरिहंत रेजिडेंसी में संपन्न हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ पत्रकार नारायण सिंह ठाकुर, पुलिस अधीक्षक दमोह श्रुत कीर्ति सोमवंशी, कृष्णा राव प्रोफेसर ,आशीष द्विवेदी पत्रकार एवम संचालक इंक मीडिया कॉलेज ने दीप प्रज्वलन करके किया इसके पश्चात मुख्य अतिथियों द्वारा पत्रकरों के समक्ष अपनी बात को रखा गया. वरिष्ठ पत्रकार नारायण सिंह ठाकुर ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता है एक पत्रकार को समाज में सत्य परायणता की नीति को अपनाना चाहिए खबर की तह तक जाकर वास्तविकता को जन-जन पहुंचाने का काम पत्रकारों को करना चाहिए आदि पत्रकार देवर्षि नारदजी की पत्रकारिता बहुजन हिताय बहुजन सुखाय की पत्रकारिता है पत्रकारों को नारद जी के चरित्र और व्यक्तित्व का अध्ययन करके पत्रकारिता करनी चाहिए। पुलिस अधीक्षक दमोह श्री श्रुत कीर्ति सोमवंशी ने कहा कि पत्रकारिता हो या अन्य कार्य हो अपने आप में एक चुनौती पूर्वक कार्य है पत्रकारिता की महत्वता इसी में है कि पत्रकारिता को हमारे देश का विश्व स्तर पर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है पत्रकार अपने आप में विचाराधीन होता है वह घटनाओं को देखता है समझता है और उसका आकलन भी करता है और उसके दोनों पहलू समाज के सामने रखता है पत्रकार को ईमानदारी से कार्य करना चाहिए उन्होंने कहा कि पत्रकारों को पत्रकारिता से जुड़े साहित्य एवं पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए ताकि समाज को देखने की नई-नई दृष्टि विकसित हो सके। मुख्य वक्ता श्री आशीष द्विवेदी ने ने कहा कि जब से सृष्टि अस्तित्व में आई है तभी से नारद जी का अस्तित्व है एक दासी पुत्र से देवर्षि बनने की उनकी यात्रा काफी चुनौतीपूर्ण रही नारद ब्रह्मा जी के पुत्र हैं नारद जी को सृष्टि का पहला पत्रकार कहा गया है नारद जी के चरित्र एवं उनके व्यक्तित्व को देखकर के पत्रकार विधा अस्तित्व में आई है नारद जी देवर्षि है उनके व्यक्तित्व की विशेषता उनकी व्याप्ति हर जगह है आकाश को पाताल हो पृथ्वी हो यक्ष हो गंधर्व हो सबके बीच में नारद जी जाते हैं और नारद जी को सभी जगह है प्रतिष्ठा प्राप्त है पत्रकारों को नारद जी के व्यक्तित्व से सीख लेकर पत्रकारिता करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि एक बार रत्नाकर डाकू ने नारद जी को लूटने के प्रयास से पकड़ लिया तब नारद जी ने उनसे कहा कि आप जो ये पाप कर रहे हो किसके लिए कर रहे हो रत्नाकर डाकू ने कहा कि वह अपने परिवार को पालने के लिए कर रहे है तब नारद जी ने कहा कि इस पाप का भागीदार कौन होगा तब डाकू ने कहा कि उनका परिवार होगा और वह स्वयं होगा तब नारद जी ने कहा कि एक बार अपने परिवार से पूछ के आओ कि वह इस अपराध में सहयोगी रहेंगे वह परिवार के पास गया तो उन्होंने अपने हाथ खड़े कर लिए और इस बात से रत्नाकर डाकू का ह्रदय परिवर्तन हो गया अर्थात पत्रकार वही कहलाता है जिसकी बात ओर ज्ञान से लोगों की सोच में परिवर्तन हो जाए। कार्यक्रम का सफल संचालन हिमांशु रैकवार एवं आभार मुकेश चौरसिया के द्वारा किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार नारायण सिंह ठाकुर, मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक दमोह श्रुतकीर्ति सोमवंशी, विशिष्ठ अतिथि श्री कृष्णा राव प्रोफेसर, मुख्य वक्ता श्री आशीष द्विवेदी पत्रकार के द्वारा की गई। कार्यक्रम में नारद जयंती उत्सव समिति की ओर से जिला प्रचारक भैयन जी एडवोकेट दीपक तिवारी विभाग प्रचार प्रमुख विक्रम साहू जिला प्रचार प्रमुख हिमांशु रैकवार जिला मीडिया प्रभारी,रिंकेश साहू जिला धर्म जागरण प्रमुख,सुरेंद्र जी नगर कार्यवाह,तरुण कोरी,नीरज विश्वकर्मा,प्रयाग साहू,बंधन विश्वकर्मा, देव सिंह ठाकुर, अमन छाबड़ा, बलराम गौतम सहित समस्त पत्रकार बंधुओं की उपस्थिति रही।

ट्रक में भारी मात्रा में परिवहन किया जा रहा 44 क्विंटल 15 किलोग्राम अवैध डोडाचुरा जप्त

नीमच मुख्यमंत्री के प्रदेश व्यापी नशाविरोधी अभियान के तहत पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन जोन संतोष कुमार सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक रतलाम रेंज मनोज कुमार सिंह द्वारा दिये गये निर्देशों के पालन में पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के कुशल निर्देशन में नीमच जिले में अवैध मादक पदार्थों की धरपकड हेतु चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया एवं प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी पुलिस जावद सुश्री वैशाली सिंह तथा थाना प्रभारी जावद निरीक्षक जितेन्द्र वर्मा के मार्गदर्शन एवं चौकी नयागांव प्रभारी सउनि रामपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस चौकी नयागांव द्वारा ट्रक में भारी मात्रा में परिवहन किया जा रहा 04 करोड़ 50 लाख रूपयें किमती 44 क्विंटल 15 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा जप्त कर 02 तस्करों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस चौकी नयागांव को दिनांक 16.06.2024 को नीमच निम्बाहेडा हाईवे फोरलेन सीसीआई - चौराहा नयागाँव पर ट्रक के माध्यम से भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा के परिवहन के संबंध में मुखबिर सूचना प्राप्त होने पर दिनांक 16.06.2024 की शाम पुलिस टीम द्वारा नीमच निम्बाहेडा हाईवे फोरलेन सीसीआई - चौराहा नयागाँव पर नाकाबंदी कर नीमच से पंजाब तरफ जाने वाले ट्रक क्र. पीबी.-10-डीजेड-4860 को हमराह फोर्स की मदद से रोका जाकर ट्रक को चैक करते काले व सफेद रंग के 211 कट्टों (39 कटें सीपीएस पद्धति वाला डोडाचुरा) में कुल 44 क्विंटल 15 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा को एनडीपीएस एक्ट के अज्ञापक प्रावधानों का पालन करते हुए 1. सिमरन जीतसिंह उफ अर्शदीपसिंह पिता बलजिन्दरसिंह उम्र 23 वर्ष जाति जाट सिख निवासी ग्राम ठठीखारा तहसील जिला तरणतारण (पंजाब), 2. गुरूसेवक सिंह पिता प्रतापसिंह उम्र 29 वर्ष जाति जाट सिख निवासी ग्राम ठठिया माहंता तहसील जिला तरणतारण (पंजाब) के कब्जे से जप्त कर मौके से दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर वाहन चालक व उसके साथी के विरूद्ध धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण में आरोपियो से डोडाचुरा के स्त्रोतों एवं अन्य आरोपीगणों के संबंध में पूछताछ व अनुसंधान जारी है। जप्त मनुका - 44 क्विंटल 15 किलोग्राम अवैध डोडाचुरा एवं टाटा ट्रक किमती लगभग 04 करोड़ 50 लाख रूपयें सराहनीय कार्य उक्त कार्य में चौकी प्रभारी नयागांव सउनि रामपाल सिंह एवं उनकी टीम का सराहनीय योगदान रहा।

उज्जैन पुलिस व प्रशासन की पहल से यात्रीगण को सुरक्षित और सुविधाजनक अनुभव कराने में हुए सफल

प्रीपैड बूथों पर उज्जैन पुलिस 24×7 समय कर रहे निर्धारित किराया शुल्क रसीद वितरित

तीन प्री पैड बूथ के शुभारंभ के पश्चात शासन द्वारा निर्धारित किराया पर कुल 156 रसीद, यात्रियों ने लिए। दिनांक 20.05.24 उज्जैन पुलिस व जिला प्रशासन द्वारा की गई सार्थक पहल के परिणामस्वरूप, यात्रीगण अब सुरक्षित और सुविधाजनक अनुभव का लाभ उठा रहे हैं, प्रीपैड बूथों पर उज्जैन पुलिस ने 24×7 समय पर निर्धारित किराया शुल्क की रसीद वितरित कर यात्रियों को सुरक्षितता के साथ ट्रांसपोर्ट सुविधा का आनंद अनुभव करा रहे हैं। उज्जैन पुलिस व प्रशासन की इस पहल से यात्रीगण को अब अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का आनंद लेने में सहायता मिल रही हैं, अब तक रेलवे स्टेशन गेट नंबर एक के प्रीपैड बूथ पर 87 रसीद, कुल रसीद शुल्क 174/-, महाकाल में बने प्रीपैड बूथ पर 41 रसीद, कुल रसीद शुल्क 122/-, माल गोदाम में प्रीपैड बूथ पर 28 रसीद कुल रसीद शुल्क 56/- की लोगो द्वारा उक्त बूथों का लाभ लिया जाकर निर्धारित किराया ही चालकों को दिया गया।

अगले साल कनाडा में होगा अगला जी-7 समिट क्या मोदी होंगे शामिल? जानें ट्रूडो का जवाब

इंटरनेशनल डेस्क: भारत और कनाडा के बीच चल रहे तनाव के बीच इटली में त7 समिट दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पीएम जस्टिन ट्रूडो की मुलाकात ने खूब सुर्खियां बटोरी । इस मुलाकात के बाद ट्रूडो के भारत को लेकर सुर बदले नजर आ रहे हैं। जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि अगले साल त7 समिट कनाडा में होगा और तब उनके पास भारत के लिए कहने के लिए बहुत कुछ होगा। उन्होंने कहा कि भारत के साथ कनाडा के रिश्ते सुधर रहे हैं और दोनों देश महत्वपूर्ण मुद्दों पर साथ काम करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। ट्रूडो ने इटली में तीन दिवसीय जी7 शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कनाडा के लोगों की इस उत्सुकता की सराहना की कि वे जी-7 शिखर सम्मेलन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ट्रूडो ने कहा कि वे इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी और सभी जी-7 भागीदारों के साथ विभिन्न मुद्दों पर काम करने के लिए उत्सुक हैं, जिन पर उन्होंने चर्चा की है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कनाडा के लोगों की इस उत्सुकता की सराहना की कि वे जी-7 शिखर सम्मेलन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ट्रूडो ने कहा कि वे इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी और सभी जी-7 भागीदारों के साथ विभिन्न मुद्दों पर काम करने के लिए उत्सुक हैं, जिन पर उन्होंने चर्चा की है। यह पूछे जाने पर कि क्या कनाडा 2025 में जी7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी को आमंत्रित करेगा, ट्रूडो ने जवाब दिया, मैं इस बात की सराहना कर सकता हूं कि कनाडा के लोग अगले साल के जी7 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, इटली इस साल के बाकी समय के लिए, जी7 का अध्यक्ष बना रहेगा और मैं प्रधानमंत्री मेलोनी और मेरे सभी जी7 भागीदारों के साथ उन व्यापक मुद्दों पर काम करने के लिए उत्सुक हूं, जिन पर हमने बात की है। अगले साल के जी7 के बारे में मेरे पास कहने के लिए और भी बहुत कुछ होगा जब हम अगले साल जी7 की अध्यक्षता संभालेंगे। 2025 का शिखर सम्मेलन कनाडा के अल्बर्टा के कनानासकिसी में आयोजित होगा। इस साल, जी-7 शिखर सम्मेलन 13-15 जून तक इटली के अपुलिया क्षेत्र में आयोजित किया गया, जिसमें भारत को आउटरीच देश के रूप में आमंत्रित किया गया और इसमें सात सदस्य देशों, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, इटली, जापान और फ्रांस के साथ-साथ यूरोपीय संघ ने भी भाग लिया। एक्स पर एक पोस्ट में कनाडाई पीएम ने कहा, अभी घोषणा की गई- अगला जी-7नेताओं का शिखर सम्मेलन 2025 में यहां कनाडा के, कनानास्किस, अल्बर्टा में आयोजित किया जाएगा। ट्रूडो का यह बयान शुक्रवार को इटली के अपुलिया में शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी से मुलाकात के बाद आया है। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात भारत और कनाडा के बीच तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों के बीच पहली मुलाकात थी। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा, जी7 शिखर सम्मेलन में कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की।

अमेरिका में भारतीय मूल की महिला की गोली मारकर हत्या

एक अन्य गंभीर रूप से घायल

नेशनल डेस्क: अमेरिका के न्यूजर्सी प्रांत में गोलीबारी की एक घटना में भारतीय मूल की एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, गोलीबारी की इस घटना को कथित तौर पर भारतीय मूल के 19 वर्षीय एक युवक ने अंजाम दिया। काउंटी अभियोजक ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि गोलीबारी 12 जून को न्यूजर्सी के उत्तर-पूर्वी मिडलसेक्स काउंटी में हुई। गोलीबारी की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने गोली लगने से घायल हुई दोनों महिलाओं को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों के मुताबिक, काटरेट की 29 वर्षीय जसवीर कौर को अस्पताल में चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया गया, जबकि दूसरी पीड़ित 20 वर्षीय महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। सीबीएस न्यूज के अनुसार दूसरी पीड़ित महिला, जसवीर कौर की रिश्तेदार थी। पुलिस ने गोलीबारी के सिलसिले में गौरव गिल नामक व्यक्ति को बाद में गिरफ्तार कर लिया। गोलीबारी के कारण का अब तक पता नहीं चल सका है।

चीन में मूसलाधार बारिश का कहर 4 लोगों की मौत; 2 लापता

फुझाउ: चीन के फुजियान प्रांत के वुपिंग काउंटी में सोमवार को मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत हो गयी और दो अन्य लापता हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि 16 जून से शुरू हुई मूसलाधार बारिश से वुपिंग काउंटी के लोंगयान शहर में सोमवार अपराह्न तक कुल 47,800 लोग प्रभावित हुए हैं। शांगहांग काउंटी के कई शहरों में लंबे समय तक भारी बारिश के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हो गयीं और संचार एवं बिजली आपूर्ति में आंशिक व्यवधान हुआ। वुपिंग में स्थानीय बाढ़ नियंत्रण मुख्यालय ने भारी बारिश के लिए 'लेवल वन आपातकालीन प्रतिक्रिया शुरू की है। चीन में चार-स्तरीय बाढ़-नियंत्रण आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली है, जिसमें 'लेवल वन सबसे गंभीर है। वुपिंग में 24 घंटे में सर्वाधिक बारिश 372.4 मिलीमीटर तक पहुंच गई है।

टेनेसी के गवर्नर ने बाल बलात्कार के दोषियों को मृत्युदंड देने वाले विधेयक को दी मंजूरी

इंटरनेशनल डेस्क: टेनेसी के गवर्नर बिल ली ने बाल बलात्कार के मामलों में मृत्युदंड की अनुमति देने वाले कानून को मंजूरी दे दी है। यह एक ऐसा बदलाव है जिसका रिपब्लिकन नियंत्रित स्टेटहाउस ने समर्थन किया है, इस चिंता के बीच कि यू.एस. सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे मामलों में मृत्युदंड पर प्रतिबंध लगा दिया है। ली, जो रिपब्लिकन हैं, ने मई में बिना कोई बयान जारी किए चुपचाप इस कानून पर हस्ताक्षर कर दिए। टेनेसी का नया कानून जो 1 जुलाई से प्रभावी होगा, राज्य को किसी वयस्क द्वारा किसी बच्चे के साथ गंभीर बलात्कार के मामले में मृत्युदंड देने का अधिकार देता है। दोषी पाए जाने वालों को मृत्युदंड, पैरोल की संभावना के बिना आजीवन कारावास या आजीवन कारावास की सजा दी जा सकती है। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने लगभग एक साल पहले इसी तरह का एक विधेयक पारित किया था। पारित होने के कुछ महीनों बाद, फ्लोरिडा के लेक काउंटी के अभियोजकों ने दिसंबर में घोषणा की कि वे बारह वर्ष से कम उम्र के नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न करने के आरोपी व्यक्ति के लिए मृत्युदंड की मांग कर रहे हैं। मृत्यु दंड सूचना केंद्र के अनुसार इस मामले को नए कानून के तहत आगे बढ़ाया जाने वाला पहला मामला माना जाता है। इस बीच, इडाहो के जीओपी-नियंत्रित सदन ने इस साल की शुरुआत में इसी तरह के कानून को मंजूरी दी थी, लेकिन प्रस्ताव अंततः रिपब्लिकन-प्रभुत्व वाली सीनेट में अटक गया। जबकि टेनेसी के संस्करण के कई समर्थकों ने स्वीकार किया है कि भले ही स्वयंसेवी राज्य ने पहले दोषी बाल बलात्कारियों को मृत्युदंड का सामना करने की अनुमति दी थी, यू.एस. सुप्रीम कोर्ट ने अंततः 2008 के अपने फैसले के साथ उस कानून को रद्द कर दिया जिसमें बाल यौन उत्पीड़न के मामलों में मृत्युदंड का उपयोग करना असंवैधानिक माना गया था। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि रूढ़िवादी-नियंत्रित सुप्रीम कोर्ट उस फैसले को पलट देगा।

स्कूल की पाठ्यपुस्तकों में हुए बदलाव...

केरल सरकार का जेंडर न्यूट्रैलिटी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

नेशनल डेस्क- केरल सरकार ने स्कूलों की पाठ्यपुस्तकों में बदलाव कर जेंडर न्यूट्रैलिटी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस पहल के तहत पारंपरिक ट्रेडिशनल रूढ़ियों को तोड़ते हुए पुरुषों और परिवार के अन्य सदस्यों को महिलाओं के साथ रसोई में काम करते हुए दिखाया गया है। इस कदम का उद्देश्य बच्चों में कम उम्र से ही समावेशी दृष्टिकोण विकसित करना है और जड़ जमाए हुए जेंडर रूढ़ियों को खत्म करना है। दो महीने की गर्मी की छुट्टी के बाद जब छात्र और अभिभावक लौटे, तो उन्हें नई पाठ्यपुस्तकें मिलीं जिनमें जेंडर भूमिकाओं का प्रगतिशील चित्रण था। खास तौर पर पाठ्यपुस्तकों में महिलाओं से जुड़ी पारंपरिक घरेलू गतिविधियों में लगे पिताओं को दर्शाने वाली तस्वीरें शामिल की गई हैं। सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने सोशल मीडिया पर कक्षा 3 की मलयालम-माध्यम की पाठ्यपुस्तक की एक तस्वीर साझा की, जिसमें एक पिता रसोई के फर्श पर बैठा नारियल छीलता हुआ दिख रहा है, जबकि उसकी पत्नी खाना बना रही है। वहीं, अंग्रेजी माध्यम की पाठ्यपुस्तक में एक पिता अपनी बेटी के लिए नाश्ता पकाते हुए दिखाई दे रहा है। इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर काफी सराहना मिली है। लोगों ने इस पहल के लिए केरल सरकार की तारीफ की है और उम्मीद जताई है कि इस तरह के चित्रण जेंडर रूढ़ियों को खत्म करने में मदद करेंगे। वायरल तस्वीरें ने घरेलू परिस्थितियों में पुरुषों की भूमिका और घर में साझा जिम्मेदारियों के महत्व पर चर्चा को बढ़ावा दिया है। छात्रों और शिक्षकों ने भी नई पाठ्यपुस्तकों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। विथुरा की छात्रा पवित्रा कृष्णा ने अपनी कक्षा 3 की मलयालम पाठ्यपुस्तक में तस्वीरें देखकर आश्चर्य और मनोरंजन व्यक्त किया। उन्होंने बताया,मैं नई किताब के पन्ने पलट रही थी और रसोई में नारियल खुरचते पिता की तस्वीरें देखकर हैरान रह गई। मैंने इसे अपने पिता को दिखाया और पूछा कि वे घर पर ऐसा क्यों नहीं करते। कोच्चि की शिक्षिका सिंधु ने इसे सही दिशा में उठाया गया कदम बताया। उन्होंने कहा,पाठ्यपुस्तकों में दर्शाई गई लिंग भूमिकाओं की पुनर्कल्पना बच्चों के लिए एक सकारात्मक तस्वीर पेश करती है कि खाना बनाना और घर के अन्य काम माता-पिता दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। यह पहल इस प्रचलित धारणा को चुनौती देती है कि घरेलू काम केवल महिलाओं की जिम्मेदारी है। केरल में लिंग-तटस्थ शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीपीआइ (एम) सरकार के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है, जिसमें राज्य संचालित स्कूलों में लिंग-तटस्थ वर्दी की शुरुआत और मिश्रित स्कूलों के पक्ष में एकल-लिंग स्कूलों को समाप्त करना शामिल है।

पिछले साल, केरल सरकार ने उच्चतर माध्यमिक छात्रों के लिए पूरक पाठ्यपुस्तकें शुरू कीं, जिसमें महात्मा गांधी की हत्या और मुगल साम्राज्य जैसे विषयों को फिर से शामिल किया गया, जिन्हें एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों से हटा दिया गया था। अभिभावक और छात्र केरल सामान्य शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर इन लिंग-तटस्थ छवियों वाली नई पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा कर सकते हैं। केरल का यह कदम सबसे कम उम्र के सदस्यों से शुरू करके अधिक समावेशी और न्यायसंगत समाज को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

दिल्ली में भीषण गर्मी का कहर, तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा, कल से मिल सकती है राहत

नेशनल डेस्क- दिल्ली में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी का अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से 6.4 डिग्री अधिक था। मौसम विभाग ने दिल्ली में रेड अलर्ट जारी किया है, जो आज यानी मंगलवार को भी लागू रहेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

कब मिलेगी राहत?

मौसम विभाग के अनुसार, आज यानी मंगलवार को दिल्ली में कई स्थानों पर लू से लेकर भीषण लू की स्थिति बनी रहेगी। हालांकि, दिन के दौरान तेज सतही हवाएं चलने का अनुमान है। मौसम विभाग का सात दिवसीय पूर्वानुमान बताता है कि बुधवार से थोड़ी राहत मिलेगी।

पश्चिमी विक्षोभ से राहत की उम्मीद

मौसम विभाग के अनुसार, 19 जून, बुधवार के बाद एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत की ओर बढ़ेगा, जिससे दिल्ली को भी राहत मिलेगी। बुधवार और गुरुवार को शहर में येलो अलर्ट जारी रहेगा, जबकि शुक्रवार और शनिवार को ग्रीन अलर्ट रहेगा।

दिल्ली में गर्मी का कहर

सफदरजंग वेधशाला ने सोमवार को 45.2 डिग्री सेल्सियस का अधिकतम तापमान दर्ज किया, जबकि न्यूनतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहा। पालम मौसम केंद्र ने 46 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड ने 45.6 डिग्री, रिज ने 46.3 डिग्री और आयानगर वेधशाला ने 46.4 डिग्री तापमान दर्ज किया। नजफगढ़ वेधशाला ने 46.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया।

लू और भीषण लू की स्थिति

लू की स्थिति तब बनती है जब मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस, तटीय क्षेत्रों में 37 डिग्री और पहाड़ी क्षेत्रों में 30 डिग्री तक पहुंच जाता है और सामान्य से कम से कम 4.5 डिग्री सेल्सियस अधिक होता है। भीषण लू की घोषणा तब की जाती है जब सामान्य से विचलन 6.4 डिग्री से अधिक हो जाता है। भारतीय मौसम विभाग गर्मी की चेतावनी के लिए चार रंग कोड का उपयोग करता है - हरा (कोई कार्रवाई की आवश्यकता नहीं), पीला (निगरानी रखें और अपडेट रहें), नारंगी (तैयार रहें) और लाल (कार्रवाई करें)। दिल्लीवासियों को सलाह दी जाती है कि वे गर्मी से बचने के लिए सावधानी रहें और जरूरी एहतियात बरतें।

जापानी अधिकारी की भविष्यवाणी

ताइवान पर आक्रमण से पहले चीन बढ़ाएगा आतंकी गतिविधियां

ताइपे- सेवानिवृत्त जापानी लेफ्टिनेंट जनरल हीरोताका यामाशिता का मानना है कि संभावित चीनी सैना द्वारा ताइवान पर आक्रमण से पहले, ताइवानी राष्ट्रपति लाइ चिंग-ते की हत्या के प्रयास सहित आतंकवादी गतिविधियाँ हो सकती हैं। फोकस ताइवान ने सीएनए के हवाले से बताया कि चीनी आक्रमण की संभावित रणनीतियों पर अपनी पुस्तक के चीनी-भाषा संस्करण के विमोचन के लिए शनिवार को ताइपे में एक प्रेस कार्यक्रम में यामाशिता ने बताया कि ऐसी आतंकवादी गतिविधियों में राष्ट्रपति के वाहनों और ताइपे के प्रमुख मेट्रो स्टेशनों पर बम लगाना शामिल हो सकता है। फोकस ताइवान के अनुसार, यामाशिता, जो पहले जापान ग्राउंड सेल्फ-डिफेंस फोर्स के वाइस चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में कार्यरत थे, ने अपनी पुस्तक में विस्तृत रूप से वर्णित विभिन्न टेबलटॉप वॉरगेम्स के आधार पर अपनी भविष्यवाणियाँ कीं। जापान-उत्तर कोरिया संबंधों का हवाला देते हुए, यामाशिता ने कहा कि तीन प्रकार के लोग ताइवान में हमले कर सकते हैं । इनमे चीन के साथ राजनीतिक रूप से जुड़े लोग, भाड़े के सैनिक और चीनी जो ताइवान के लोगों के साथ घुलमिल गए हैं लेकिन गुप्त रूप से जासूसी करने वाले लोग शामिल हैं। यामाशिता ने कहा हालांकि इन संभावित परिदृश्यों के लिए तैयार रहने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए, लेकिन न तो ताइवान, न ही जापान और न ही संयुक्त राज्य अमेरिका इस संभावना को पूरी तरह से खत्म कर पाएंगे । फोकस ताइवान के अनुसार, यामाशिता ने कहा कि इन आतंकवादी गतिविधियों का उद्देश्य ताइवान की जनता का उनकी सरकार में विश्वास कम करना और जनता की राय को प्रभावित करना होगा। उन्होंने सरकार को तथ्यात्मक और अद्यतन जानकारी प्रदान करने की सलाह दी और जनता से राजनीतिक मतभेदों के बावजूद ऐसे संकटों के दौरान सरकार पर भरोसा करने का आग्रह किया। अपनी पुस्तक में, यामाशिता ने अनुमान लगाया कि ताइवान पर संभावित चीनी आक्रमण 2035 और 2050 के बीच हो सकता है। तब तक, यामाशिता ने तर्क दिया, चीन का परमाणु शस्त्रागार संभवतः अमेरिका के परमाणु शस्त्रागार के बराबर होगा, और दोनों देशों के बीच परमाणु निरोध में अंतर संभवतः समाप्त हो जाएगा। बता दें कि ताइवान, जिसे आधिकारिक तौर पर चीन गणराज्य के रूप में जाना जाता है, लंबे समय से चीन की विदेश नीति में एक विवादास्पद मुद्दा रहा है। चीन ताइवान पर अपनी संप्रभुता का दावा करना जारी रखता है और उसे अपना हिस्सा मानता है तथा आवश्यकता पड़ने पर बल प्रयोग करके अंततः पुनः एकीकरण पर जोर देता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569